■ माघ कृष्णा - 4 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 172 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शुक्रवार » 17-01-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 इस वर्ष को हमारी टीम के लिए 'वनडे में सर्वश्रेष्ठ वर्ष' बनाना होगा : स्मृति मंधाना

6 मेटा की माफी से सोशल मीडिया मंचों को सख्त सन्देश

4 कर्मचारियों के हित में लगातार अहम निर्णय ले रही राज्य सरकार : भजनलाल शर्मा

फर्स्ट टेक

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में हुई मुठभेड़ में 12 नक्सली ढेर

बीजापुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में बृहस्पतिवार को सुरक्षा बलों से हुई भीषण मुठभेड़ में 12 नक्सली ढेर हो गए। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मुठभेड़ सुबह करीब नौ बजे दक्षिण बीजापुर के जंगल में हुई, जब सुरक्षाकर्मियों की एक संयुक्त टीम नक्सल रोधी अभियान पर थी। अधिकारी ने कहा कि शाम तक रुक-रुक कर गोलीबारी होती रही। उन्होंने बताया कि तीन जिलों के जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की विशिष्ट जंगल युद्ध इकाई कोबरा (कमांडो बटालियन फॉर रिजोल्यूट एक्शन) की पांचवीं बटालियन और सीआरपीएफ की 229वीं बटालियन के जवान इस अभियान में शामिल हैं। अधिकारी ने कहा, प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मुठभेड़ में 12 नक्सली ढेर हो गए। क्षेत्र में तलाशी अभियान अब भी जारी है, विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा की जा रही है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों को कोई नुकसान नहीं हुआ है।

वरुण धवन ने शुरू की 'बॉर्डर 2' की शूटिंग

मुंबई/भाषा। बॉलीवुड स्टार वरुण धवन ने जेपी दत्ता की 1997 में आयी युद्ध पर आधारित फिल्म 'बॉर्डर' के आगामी सीक्वल 'बॉर्डर 2' की शूटिंग शुरू कर दी है। निर्माताओं ने बृहस्पतिवार को इसकी घोषणा की। अनुभवी अभिनेता सनी देओल सीक्वल के लिए वापसी कर रहे हैं, जिसका निर्देशन अनुराग सिंह कर रहे हैं। दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी अभिनीत, इस सीक्वल में दत्ता और टी-सीरीज़ के भूषण कुमार भी हैं। टी-सीरीज़ ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया, ''एक्शन, धैर्य और देशभक्ति! अभिनेता वरुण धवन ने झांसी के सुंदर छावनी क्षेत्रों में निर्माता भूषण कुमार, निधि दत्ता, सह-निर्माता शिव चनाना और निर्देशक अनुराग सिंह के साथ 'बॉर्डर 2' की यात्रा शुरू की।''

जनता को आपातकाल का इतिहास पढ़ाए जाने की जरूरत : फडणवीस

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भावी पीढ़ियों को आपातकाल के बारे में बताए जाने की बृहस्पतिवार को वकालत की। उन्होंने आपातकाल को एक काला अध्याय बताते हुए कहा कि उस समय संवैधानिक अधिकारों का दमन किया गया था और लाखों लोगों को जेल में डाल दिया गया था। फडणवीस ने मुंबई में फिल्म 'इमरजेंसी' की विशेष स्क्रीनिंग के बाद संवाददाताओं से कहा, ''यह हमारे इतिहास का ऐसा दौर था, जब लोगों के अधिकार छीन लिए गए थे।

17-01-2025 सूर्यास्त	18-01-2025 सूर्योदय
6:02 बजे	6:35 बजे

BSE	NSE
77,042.82	23,311.80
(+318.74)	(+98.60)

सोना	चांदी
8,245 रु.	102,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

इसरो ने उपग्रहों की 'डॉकिंग' को सफलतापूर्वक अंजाम दिया

सफल 'डॉकिंग' के साथ ही अमेरिका, रूस और चीन के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाला चौथा देश बना भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने बृहस्पतिवार को 'स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट' (स्पेडेक्स) के तहत उपग्रहों की 'डॉकिंग' सफलतापूर्वक की। अंतरिक्ष एजेंसी ने यह भी घोषणा की कि 'डॉकिंग' के बाद, एक वस्तु के रूप में दो उपग्रहों पर नियंत्रण स्थापित करने की प्रक्रिया भी सफल रही।

इसरो ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''भारत ने अंतरिक्ष इतिहास में अपना नाम दर्ज कर लिया है। सुप्रभात भारत, इसरो के स्पेडेक्स मिशन ने 'डॉकिंग' में ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। इस क्षण का गवाह बनकर गर्व महसूस हो रहा है।''

उपग्रहों की सफल 'डॉकिंग' के साथ ही भारत, अमेरिका, रूस और चीन के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाला चौथा देश बन गया है।

इसरो ने कहा, '' 'डॉकिंग' के बाद एक वस्तु के रूप में दो उपग्रहों पर नियंत्रण स्थापित करने की प्रक्रिया भी सफल रही। आने वाले दिनों में 'अनडॉकिंग' और 'पावर ट्रांसफर' परीक्षण किया जाएगा।''

इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने भी मिशन को सफल बनाने वाली टीम को बधाई दी। इससे पहले 12 जनवरी को इसरो ने उपग्रहों को 'डॉक' करने के परीक्षण के तहत दो अंतरिक्ष यान को तीन मीटर की दूरी पर लाकर और फिर सुरक्षित दूरी पर वापस भेजा था।

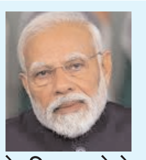

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में वैज्ञानिकों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा, ''उपग्रहों की अंतरिक्ष में 'डॉकिंग' के सफल प्रदर्शन के लिए इसरो के हमारे वैज्ञानिकों और पूरे अंतरिक्ष समुदाय को बधाई। यह आने वाले वर्षों में भारत के महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष मिशन के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।''

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को कहा कि दो उपग्रहों की सफल 'डॉकिंग' के साथ भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। साथ ही उन्होंने देश की अंतरिक्ष क्षमताओं को बढ़ाने के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) तथा उसके वैज्ञानिकों को बधाई दी।

श्रीहरिकोटा में तीसरे प्रक्षेपण स्थल को मंत्रिमंडल की मंजूरी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इसरो के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र में 3,985 करोड़ रुपए की लागत से तीसरा प्रक्षेपण स्थल स्थापित करने को बृहस्पतिवार को मंजूरी दे दी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यह जानकारी दी। इस परियोजना में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के 'अगली पीढ़ी के प्रक्षेपण यानों' के लिए श्रीहरिकोटा, आंध्र प्रदेश में प्रक्षेपण बुनियादी ढांचे की स्थापना और श्रीहरिकोटा में दूसरे प्रक्षेपण स्थल के वास्ते एक अतिरिक्त प्रक्षेपण स्थल की परिकल्पना की गई है। सरकार ने एक बयान में कहा कि इससे भविष्य के भारतीय मानव अंतरिक्ष उड़ान अभियानों के लिए प्रक्षेपण क्षमता भी बढ़ेगी। बयान में कहा गया कि तीसरे प्रक्षेपण स्थल को चार साल की अवधि के भीतर स्थापित करने का लक्ष्य है।

अभिनेता सैफ अली खान पर उनके घर में घुसकर चाकू से हमला

लीलावती अस्पताल में सर्जरी के बाद हालत खतरे से बाहर

■ हमलावर सीढ़ियों के जरिये भाग निकला और फरार है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। मुंबई के बांद्रा इलाके में बुधवार देर रात अभिनेता सैफ अली खान के घर में घुसकर एक हमलावर ने उन पर चाकू से कई बार वार किया, जिसमें वह घायल हो गए। इस घटना के बाद शहर में फिल्मी हस्तियों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठाये जा रहे हैं।

लीलावती अस्पताल के चिकित्सकों ने बताया कि सैफ (54) आपातकालीन सर्जरी के बाद ''खतरे से बाहर'' हैं। यह हमला कल रात करीब 2.30 बजे सतगुरु शरण इमारत की 12वीं मंजिल पर स्थित उनके अपार्टमेंट में अभिनेता के छोटे बेटे जेह के कमरे के बाहर हुआ।

पूरा परिवार -- सैफ, उनकी पत्नी एवं अभिनेत्री करीना कपूर, दंपती के चार वर्षीय बेटे जेह और आठ वर्षीय तैमूर -- अपने पांच घरेलू सहायकों के साथ 12वीं मंजिल के अपार्टमेंट में थे।

पुलिस को दिये बयान में, जेह की आया एलियामा फिलिप, जिसका सबसे पहले हथियारबंद हमलावर से सामना हुआ था, ने कहा कि उसने (हमलावर) एक करोड़ रुपये मांगे थे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि हमलावर ने जबरदस्ती घुसने या अभिनेता के फ्लैट में सेंध लगाने की कोशिश नहीं की, बल्कि संभवत: रात में किसी समय चोरी करने के इरादे से अंदर घुसा था। हमलावर सीढ़ियों के जरिये भाग निकला और फरार है।

प्रधानमंत्री ने केंद्रीय कर्मचारियों के लिए आठवें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को केंद्रीय कर्मचारियों के वेतन और पेंशनभोगियों के भत्तों में संशोधन के लिए आठवें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी दे दी।

इस कदम से केंद्र सरकार के लगभग 50 लाख कर्मचारियों और करीब 65 लाख पेंशनधारकों को लाभ होगा।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''प्रधानमंत्री ने केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए आठवें केंद्रीय वेतन आयोग को मंजूरी दे दी है। आयोग के चेयरमैन और दो सदस्यों की नियुक्ति जल्द की जाएगी।''

गौरतलब है कि सातवें वेतन आयोग का गठन 2014 में किया गया था और इसकी सिफारिशें एक जनवरी, 2016 से लागू हुई थीं। इसकी अवधि 2026 में समाप्त हो रही है।

मंत्री ने कहा कि 2025 में नए वेतन आयोग के गठन की प्रक्रिया शुरू होने से यह सुनिश्चित होगा कि सातवें वेतन आयोग का कार्यकाल पूरा होने से पहले इसकी सिफारिशें प्राप्त हो जाएं और उसकी समीक्षा की जा सके।

वेतन आयोग सरकार को सिफारिशें देने से पहले केंद्र और राज्य सरकारों और अन्य संबंधित पक्षों के साथ व्यापक परामर्श करता है। सरकारी कर्मचारियों के लिए वेतन संरचना, लाभ और भत्ते तय करने में वेतन आयोग की महत्वपूर्ण भूमिका है। राज्य सरकारों के स्वामित्व में आने वाली ज्यादातर इकाइयां आयोग की सिफारिशों को लागू करती हैं।

गोधरा ट्रेन अग्निकांड मामले की सुनवाई करेगा उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह 2002 के गोधरा ट्रेन अग्निकांड मामले में गुजरात सरकार और कई अन्य दोषियों द्वारा दायर अपील पर 13 फरवरी को सुनवाई करेगा। न्यायमूर्ति जे. के. माहेश्वरी और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार की पीठ ने स्पष्ट किया कि अगली सुनवाई पर मामले में कोई स्थगन नहीं दिया जाएगा। गोधरा में 27 फरवरी, 2002 को साबरमती एक्सप्रेस के एस-6 कोच में आग लगा दी गई थी, जिसमें 59 लोग मारे गए थे और राज्य में दंगे भड़क गए थे। गुजरात उच्च न्यायालय के अक्टूबर 2017 के फैसले को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत में कई अपील दायर की गई हैं।

अदाणी के खिलाफ रिपोर्ट जारी करने वाली हिंडनबर्ग रिसर्च ने कारोबार समेटा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/नई दिल्ली/भाषा। अमेरिकी निवेश एवं अनुसंधान कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने अपना कारोबार समेट लिया है। इसके संस्थापक नैट एंडरसन ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उद्योगपति गौतम अदाणी और उनके समूह के खिलाफ रिपोर्ट जारी करने के बाद यह कंपनी चर्चा में आ गई थी। हिंडनबर्ग की शुरुआत 2017 में की गई थी।

एंडरसन (40) ने यह घोषणा डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका के नए राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने से कुछ ही दिन पहले की है। हालांकि, उन्होंने अपने निर्णय के पीछे काम में गहन संलिप्तता को कारण बताया है, लेकिन आलोचकों ने जॉर्ज सोरोस के साथ हिंडनबर्ग के कथित संबंधों और आगामी ट्रंप प्रशासन के भारी दबाव को इसकी मुख्य वजह करार दिया है। इस खबर के आने के बाद अदाणी समूह के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) जुगेशिंदर रॉबी सिंह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, '' कितने गाज़ी आए, कितने गाज़ी गए।''

हिंडनबर्ग ने जनवरी, 2023 में एक रिपोर्ट प्रकाशित की थी जिसमें अदाणी समूह पर ''कॉरपोरेट इतिहास में सबसे बड़ा घोटाला करने'' का आरोप लगाया गया था। समूह पर शेयरों के भाव में हेराफेरी तथा वित्तीय गड़बड़ियों का आरोप लगाया गया था। इस रिपोर्ट के आने के बाद समूह की कंपनियों के बाजार मूल्यांकन में 150 अरब अमेरिकी डॉलर की गिरावट आई थी। अदाणी समूह ने हालांकि इन सभी आरोपों का खंडन किया था।

एंडरसन ने कंपनी की वेबसाइट पर साझा किए एक पत्र में लिखा, '' इसके पीछे कोई खास वजह नहीं है..कोई खतरा नहीं, कोई स्वास्थ्य समस्या नहीं और कोई व्यक्तिगत समस्या नहीं है। इस काम में जो अत्यधिक संलिप्तता से मैं बाकी दुनिया और उन लोगों से दूर हो रहा था जिनकी मुझे परवाह है।

अमेरिका ने भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र और दो अन्य भारतीय कंपनियों पर से प्रतिबंध हटाए

वाशिंगटन/भाषा। राष्ट्रपति पद की कमान डोनाल्ड ट्रंप को सौंपे जाने से कुछ दिन पहले, जो बाइडन प्रशासन ने तीन भारतीय संस्थाओं – इंडियन रेयर अर्थ्स, इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र (आईजीसीएआर) और भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बार्क) पर से प्रतिबंध हटाने की घोषणा की है। वाणिज्य विभाग के उद्योग और सुरक्षा ब्यूरो (बीआईएस) ने बुधवार को कहा कि इन तीन भारतीय संस्थाओं पर शीत युद्ध के दौर में लगाए गए प्रतिबंध हटाने से साझा ऊर्जा सुरक्षा जरूरतों और लक्ष्यों की दिशा में संयुक्त अनुसंधान और विकास, विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहयोग सहित उन्नत ऊर्जा सहयोग में बाधाओं को कम करके अमेरिकी विदेश नीति के उद्देश्यों को बल मिलेगा। इसके साथ ही, बीआईएस ने अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति के हितों के विपरीत गतिविधियों के लिए, 'पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना' के गंतव्य के तहत 11 संस्थाओं को 'एन्टाइटी लिस्ट' में जोड़ा है।

भारत 2047 तक हर क्षेत्र में शीर्ष स्थान पर होगा : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेहसाणा(गुजरात)/भाषा। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत 2047 में जब आजादी के 100 साल पूरे करेगा तो वह हर क्षेत्र में दुनिया में पहले स्थान पर होगा। गणपत विश्वविद्यालय के 18वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने युवाओं से सिर्फ डिग्री लेने के बजाय ज्ञान हासिल करने पर ध्यान केंद्रित करने और प्रतिस्पर्धा के बजाय सहयोग की संस्कृति विकसित करने को कहा।

शाह ने कहा कि आज के युवाओं के सामने चुनौतियां तो हैं ही, लेकिन केंद्र सरकार ने उनके लिए कई अवसर भी पैदा किए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र में बदल दिया है।

शाह ने कहा, '' देश की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर 140 करोड़ नागरिकों ने भारत को विकसित देश बनाने का संकल्प लिया था। मुझे विश्वास है कि 2047 में जब भारत अपनी आजादी के 100 वर्ष पूरे करेगा, तो हर क्षेत्र में देश दुनिया में पहले स्थान पर होगा।'' उन्होंने कहा, ''आज दुनिया भर की कंपनियां भारत में अपने संयंत्र स्थापित करने के लिए उत्सुक हैं। भारत की बढ़ती विनिर्माण क्षमता से युवाओं को सबसे अधिक लाभ होगा। डिजिटल इंडिया और स्टार्टअप इंडिया जैसी पहल ने आज के युवाओं के लिए ढेरों अवसर पैदा किए हैं।''

महाकुंभ के दौरान छह दिन में सात करोड़ लोगों ने गंगा और संगम में आस्था की लगाई डुबकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभ नगर/भाषा। विश्व के सबसे बड़े धार्मिक समागम में श्रद्धालुओं का आना और गंगा और त्रिवेणी में डुबकी लगाना अनवरत जारी है। मेला प्रशासन के मुताबिक 11 जनवरी से 16 जनवरी तक इन छह दिनों में सात करोड़ लोगों ने गंगा और संगम में आस्था की डुबकी लगाई है। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई है।

बयान के मुताबिक बृहस्पतिवार को ही 30 लाख से ज्यादा लोगों ने महाकुंभ में गंगा में स्नान किया। राज्य सरकार को महाकुंभ में 45 करोड़ लोगों से ज्यादा लोगों के आने का अनुमान है।

प्रयागराज में कड़ाके की ठंड के बावजूद श्रद्धालुओं और स्नान करने वालों के उत्साह में कोई कमी नहीं दिख रही है। पूरे देश और दुनिया से त्रिवेणी में डुबकी लगाने के लिए प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु प्रयागराज पहुंच रहे हैं।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कलुषित मन

कुछ करे हिंद का ही विरोध,
कुछ हिंदी का अपमान करे।
कुछ राष्ट्रगीत पर शंकित हैं,
कुछ अपने नये विधान करे।
कुछ उलझे जाति बंधनों में,
कुछ केवल छद्म बखान करे।
कलुषित मन वाले कैसे,
भारत का गौरव गान करे।।

हिंडनबर्ग के कारोबार समेटने की खबर के बाद अदाणी की कंपनियों के शेयरों में उछाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अदाणी समूह के खिलाफ अभियान चलाकर अंतरराष्ट्रीय हलचल मचाने वाली शोध-निवेश कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च के बंद होने की सूचना के बाद समूह की कंपनियों के शेयरों में बृहस्पतिवार को तेजी आई। हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट आने के बाद अदाणी समूह की कंपनियों का बाजार मूल्यांकन अरबों डॉलर घट गया था। हिंडनबर्ग रिसर्च के संस्थापक नैट एंडरसन ने कंपनी बंद करने की घोषणा की है।

बीएसई पर एनडीटीवी के शेयर में 9.15%, अंबुजा सीमेंट्स में 3.88%, अदाणी ग्रीन एनर्जी में 3.35%, सांघी इंडस्ट्रीज में 3.34% तथा अदाणी पावर में 2.45% की बढ़ोतरी हुई। अदाणी पोर्ट्स (2.03%), अदाणी टोटल गैस (1.78%), अदाणी एंटरप्राइजेज (1.74%), अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस (1.54%) और एसीसी (0.77%) भी बढ़त में रहे। हालांकि, अदाणी विल्मर के शेयर में 1.19% की गिरावट आई। सत्र के दौरान एनडीटीवी का शेयर 15.59 प्रतिशत, अदाणी पावर 9.21 प्रतिशत, अदाणी ग्रीन एनर्जी 8.86 प्रतिशत, अदाणी एंटरप्राइजेज 7.72 प्रतिशत, अदाणी टोटल गैस 7.10 प्रतिशत और अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस का शेयर 6.63 प्रतिशत तक चढ़ गया था। कारोबार के दौरान अदाणी पोर्ट्स का शेयर 5.48 प्रतिशत चढ़ा था, जबकि अंबुजा सीमेंट्स का 4.55 प्रतिशत, एसीसी का 4.14 प्रतिशत, सांघी इंडस्ट्रीज का शेयर 3.77 प्रतिशत और अदाणी विल्मर का शेयर 0.54 प्रतिशत तक चढ़ गया था।

रिजर्व बैंक ने रुपए में सीमापार लेन-देन को बढ़ावा देने के लिए उठाया कदम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बृहस्पतिवार को सीमापार लेनदेन के निपटान को लेकर भारतीय रुपए और स्थानीय/राष्ट्रीय मुद्राओं के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए उदार मानदंडों की घोषणा की।

यह निर्णय ऐसे समय में लिया गया है जब रुपए की विनिमय दर में गिरावट आ रही है और सोमवार को यह अबतक के सबसे निचले स्तर 86.70 प्रति डॉलर पर पहुंच गई।

भारतीय रुपए सहित स्थानीय मुद्राओं में सीमापार लेनदेन को प्रोत्साहित करने के लिए रिजर्व बैंक पहले ही संयुक्त अरब अमीरात, इंडोनेशिया और मालदीव के केंद्रीय बैंकों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर कर चुका है। व्यापार में लेनदेन के लिए भारतीय रुपए के उपयोग को प्रोत्साहित करने को लेकर, जुलाई 2022 में, विशेष रुपया वोस्ट्रो खाता के रूप में एक अतिरिक्त व्यवस्था शुरू की गई थी। तब से कई विदेशी बैंकों ने भारत में बैंकों में ये खाते खोले हैं।

आरबीआई ने बृहस्पतिवार को मौजूदा फेमा नियमों में किए गए बदलावों की घोषणा करते हुए कहा, ''अधिकृत डीलर बैंकों की विदेशी शाखाएं भारत में रहने वाले किसी व्यक्ति के साथ सभी चालू खाते और पूंजी खाता लेनदेन के निपटान के लिए भारत के बाहर रह रहे व्यक्ति के लिए रुपया खाता खोलने में सक्षम होंगी।''

उदारीकृत फेमा (विदेशी विनिमय प्रबंधन कानून) नियमों के तहत, भारत के बाहर रह रहा व्यक्ति विशेष प्रवासी रुपया खाता और विशेष रुपया वोस्ट्रो खाता (एसआरवीए) के जरिये अन्य प्रवासियों के साथ पात्र लेनदेन का निपटान कर सकेगा। इसके अलावा, भारत से बाहर रहने वाले व्यक्ति एफडीआई (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश), गैर-ऋण उत्पादों समेत विदेशी निवेश के लिए रुपए खातों में रखी अपनी शेष राशि का उपयोग कर सकेंगे। ये खाते वैसे हैं, जिसमें रखी राशि को निवेशक अपने देश भेज सकते हैं।

आरबीआई ने कहा कि भारतीय निर्यातक निर्यात आय प्राप्त करने और आयात के भुगतान समेत व्यापार से जुड़े सौदों के निपटान के लिए दूसरे देशों में किसी भी विदेशी मुद्रा में खाते खोल सकेंगे।

रिजर्व बैंक ने भारतीय रुपए में सीमापार लेनदेन को बढ़ावा देने का निर्णय केंद्र सरकार के परामर्श से 1999 के फेमा नियमों की समीक्षा के बाद लिया है।

गणतंत्र दिवस 'फ्लाईपास्ट' परेड में इस बार एएलएच-ध्रुव और तेजस नहीं आएंगे नजर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश में डिजाइन और विकसित अत्याधुनिक हल्का हेलीकॉप्टर(एएलएच) ध्रुव इस साल गणतंत्र दिवस फ्लाईपास्ट का हिस्सा नहीं होगा, क्योंकि इस महीने एक हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने के बाद इसके उड़ान भरने पर फिलहाल रोक लगा दी गई है। सेना, भारतीय वायु सेना, नौसेना और तटरक्षक बल 330 एएलएच का संचालन कर रहे हैं।

गुजरात के पोरबंदर में पांच जनवरी को तटरक्षक बल का एक एएलएच दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसके बाद सशस्त्र बलों ने दोहरे इंजन वाले इस श्रेणी के हेलीकॉप्टर के उड़ान पर रोक लगा दी। भारतीय वायुसेना के एक अधिकारी ने संवाददाताओं को बताया कि एएलएच ध्रुव 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस पर कर्तव्य पथ पर होने वाली फ्लाईपास्ट का हिस्सा नहीं होगा। उन्होंने बताया कि जब तक उच्च स्तरीय जांच समिति दुर्घटना के मूल कारण का पता नहीं लगा लेती, तब तक इन हेलीकॉप्ट के उड़ान नहीं भरने की संभावना है। इस दुर्घटना में दो तटरक्षक पायलट और एक विमान चालक दल के गोताखोर की मौत हो गई थी। ये हेलीकॉप्टर लगभग डेढ़ दशक से गणतंत्र दिवस परेड का हिस्सा रहे हैं। सार्वजनिक उपक्रम हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) द्वारा निर्मित एएलएच-ध्रुव 5.5 टन भार वर्ग का एक बहु-उपयोगी और विभिन्न तरह के मिशन को अंजाम देने वाला नई पीढ़ी का हेलीकॉप्टर है।

खराब सड़क के निर्माण को गैर-जमानती अपराध बनाया जाना चाहिए: गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि खराब सड़क निर्माण को गैर-जमानती अपराध बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सड़क ठेकेदारों और इंजीनियरों को दुर्घटनाओं के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए और उन्हें जेल भेजा जाना चाहिए। उद्योग निकाय भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा कि भारत दुनिया में सड़क दुर्घटनाओं में पहले स्थान पर है। उन्होंने कहा, दोषपूर्ण सड़क निर्माण को गैर-जमानती अपराध बनाया जाना चाहिए और सड़क ठेकेदारों, रियायतियों और इंजीनियरों को दुर्घटनाओं के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए और जेल भेजा जाना चाहिए।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय का लक्ष्य 2030 तक सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को घटाकर आधा करने का है। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 2023 में देश में पांच लाख सड़क दुर्घटनाएं हुईं, जिसमें 1,72,000 लोगों की मौत हुई। गडकरी ने कहा, इनमें से 66.4 प्रतिशत यानी 1,14,000 लोग 18-45 वर्ष आयु वर्ग के थे, जबकि 10,000 बच्चे थे। उन्होंने बताया कि 55,000 लोगों की मौत हेलमेट न पहनने के कारण और 30,000 लोगों की मौत सीट बेल्ट न लगाने के कारण हुई।

वित्त मंत्री ने सिंगापुर के राष्ट्रपति के साथ व्यापक रणनीतिक साझेदारी पर चर्चा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन षणमुगरत्नम से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय बैठक के दौरान व्यापक रणनीतिक साझेदारी पर चर्चा की। वित्त मंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, सिंगापुर गणराज्य के महामहिम राष्ट्रपति थर्मन षणमुगरत्नम से मिलकर गौरवान्वित महसूस कर रही हूं। भारत सिंगापुर के साथ अपनी व्यापक रणनीतिक साझेदारी को महत्व देता है। राष्ट्रपति की यह यात्रा हमारे द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करेगी, जो इसकी 60वीं वर्षगांठ का प्रतीक है।

सितंबर, 2024 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सिंगापुर यात्रा के दौरान भारत-सिंगापुर संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ा दिया गया।

सिंगापुर के राष्ट्रपति के साथ वित्त मंत्री और परिवहन मंत्री ची होंग टाट भी भारत यात्रा पर आए हैं।

वित्त मंत्रालय ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, दोनों नेताओं ने व्यापक रणनीतिक साझेदारी पर चर्चा की। इसमें वित्तीय प्रौद्योगिकी, डिजिटल प्रौद्योगिकी, सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों पर प्रकाश डाला गया। दोनों पक्षों ने आने वाले दशकों में व्यापार और निवेश संबंधों के विस्तार में विश्वास जताया। सिंगापुर के राष्ट्रपति मंगलवार रात पांच दिवसीय यात्रा पर यहां पहुंचे हैं। उनकी इस यात्रा का लक्ष्य विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को और बढ़ावा देना है।

हिंडनबर्ग के बंद होने का मतलब यह नहीं है कि 'मोदानी' को क्लीन चिट मिल गई : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को कहा कि अमेरिकी निवेश एवं अनुसंधान कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च के बंद होने का मतलब यह नहीं है कि 'मोदानी' को क्लीन चिट मिल गई है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने अदाणी समूह और भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) से जुड़े मामलों का उल्लेख करते हुए यह भी कहा कि ये गंभीर अपराधिक कृत्य हैं जिनकी पूरी तरह से जांच केवल संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) द्वारा ही की जा सकती है। अमेरिकी निवेश एवं अनुसंधान कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च को बंद कर दिया गया है। इसके संस्थापक नैट एंडरसन ने बुधवार को यह जानकारी दी। उद्योगपति गौतम अदाणी और उनके समूह के खिलाफ रिपोर्ट जारी करने के बाद यह कंपनी चर्चा में आ गई थी। रमेश ने एक बयान में कहा, हिंडनबर्ग रिसर्च के बंद होने का किसी भी तरह से यह मतलब नहीं है कि 'मोदानी' को क्लीन चिट मिल गई है। उन्होंने कहा, जनवरी 2023 में आई हिंडनबर्ग रिपोर्ट इतनी गम्भीर साबित हुई थी कि भारत के उच्चतम न्यायालय को उसमें अदाणी समूह, जिसे किसी और का नहीं, ख़ुद प्रधानमंत्री का संरक्षण प्राप्त है, के खिलाफ़ सामने आए आरोपों की जांच के लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन करने के लिए मजबूर होना पड़ा। कांग्रेस नेता ने कहा कि हिंडनबर्ग रिपोर्ट में मोदानी महाघोटाले के केवल एक हिस्से, प्रतिभूति कानूनों के उल्लंघन को ही कवर किया गया था। रमेश ने दावा किया, यह मामला और भी ज़्यादा गंभीर है। इसमें राष्ट्रीय हित की क़ीमत पर प्रधानमंत्री के क़रीबी मित्रों को और समृद्ध करने के लिए भारत की विदेश नीति का दुरुपयोग शामिल है।

केजरीवाल को सलमान और सैफ की चिंता, दिल्ली के गरीब मुसलमानों की नहीं: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें फिल्मी सितारों सलमान खान और सैफ अली खान की चिंता है, लेकिन राष्ट्रीय राजधानी के गरीब मुसलमानों की कोई फिक्र नहीं है। कांग्रेस नेता इमरान मसूद ने अभिनेता सैफ अली खान पर हमले की घटना को लेकर केजरीवाल की टिप्पणी के बाद उन पर निशाना साधा।

आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक केजरीवाल ने सैफ अली खान पर हमले को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार की आलोचना की। केजरीवाल ने संवाददाताओं से कहा, ''जब भाजपा की डबल इंजन सरकार सैफ अली खान जैसी मशहूर हस्ती की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकती, तो आम नागरिक क्या उम्मीद कर सकते हैं?'' मसूद ने केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा, ''मुंबई में कानून व्यवस्था पर सवाल जरूर खड़े होते हैं। लेकिन दिल्ली के बारे में कुछ बोलना नहीं चाहते। जब जहांगीरपुरी में दंगा हो रहा था और सरेआम गोलियां चल रही थीं, तो उस पर इन्होंने एक लफ्ज़ नहीं बोला। अगर केजरीवाल मुख्यमंत्री रहते हुए जहांगीरपुरी में जाकर बैठ जाते, तो इतना नुकसान न हुआ होता।''

सैफ अली पर हमला गंभीर घटना, लेकिन मुंबई को असुरक्षित बताना गलत : फडणवीस

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने बृहस्पतिवार को कहा कि बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान पर उनके घर में एक घुसपैठिए द्वारा किया गया हमला एक गंभीर घटना है, लेकिन इसके कारण मुंबई को असुरक्षित कहना गलत होगा। फडणवीस के पास गृह विभाग का दायित्व भी है। उन्होंने कहा कि देश की वित्तीय राजधानी को सुरक्षित बनाने के लिए सरकार कदम उठाएगी। सैफ अली खान पर बीती रात मुंबई के बांद्रा इलाके में 12वीं मंजिल स्थित उनके फ्लैट में एक घुसपैठिए ने चाकू से हमला किया जिससे उन्हें गंभीर चोट आई। चिकित्सकों के अनुसार, अभिनेता की पीठ में फंसा चाकू निकालने के लिए सर्जरी की गई और अब वह खतरे से बाहर हैं। फडणवीस ने संवाददाताओं से कहा, ''मुझे लगता है कि मुंबई देश के बड़े शहरों में सबसे सुरक्षित है। यह सच है कि कभी-कभी घटनाएं होती हैं, और उन्हें गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

भविष्य के कौशल की मांग को लेकर भारत दुनिया का दूसरा सबसे तैयार बाजार : क्यूएस सूचकांक

नई दिल्ली/भाषा। भविष्य में मांग वाले कौशल के लिए दुनिया के सबसे तैयार नौकरी बाजारों में अमेरिका के बाद भारत को दूसरा स्थान दिया गया है। क्यूएस विश्व भविष्य कौशल सूचकांक-2025 के अनुसार, इस बाजार में कृत्रिम मेधा (एआई), डिजिटल और हरित क्षेत्र जैसे प्रमुख खंड शामिल हैं। पहला भविष्य कौशल सूचकांक बृहस्पतिवार को लंदन स्थित क्वाक्वेरेली साइमंड्स (क्यूएस) द्वारा जारी किया गया, जो अपनी प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय रैंकिंग के लिए जाना जाता है।

सूचकांक ने चार मुख्य बिंदुओं – कौशल उपयुक्तता, शैक्षणिक तत्परता, कार्य का भविष्य और आर्थिक परिवर्तन को मापकर यह मूल्यांकन किया है कि देश अंतरराष्ट्रीय नौकरी बाजार की उभरती मांगों को पूरा करने के लिए कितनी अच्छी तरह लैस हैं। क्यूएस ने बयान में कहा, इस नए सूचकांक में जब सभी चार संकेतकों को मिला दिया जाता है, तो भारत कुल मिलाकर 25वें स्थान पर आता है, और इसे भविष्य के कौशल का दावेदार माना जाता है। भारत भविष्य के कार्य संकेतक में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करता है, जिसने दुनिया में दूसरा सबसे उच्च स्कोर (99.1) हासिल किया है, जो सूचकांक में समग्र अगुवा के रूप में अमेरिका से एक अंक से भी कम पीछे है।

शीर्ष अदालत ने पूरे भारत में बाघ अभयारण्यों के प्रबंधन के लिए एक समान नीति की वकालत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को पूरे देश में बाघ अभयारण्यों के प्रबंधन के लिए एक समान नीति का समर्थन किया। उत्तराखंड में कॉर्बेट बाघ अभयारण्य से संबंधित मामले की सुनवाई कर रही न्यायमूर्ति बी.आर. गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि वह अखिल भारतीय स्तर पर एक समान नीति चाहती है।

पीठ ने कहा, जहां तक बाघ अभयारण्यों के प्रबंधन का सवाल है, हम पूरे देश में एक समान नीति चाहते हैं। पीठ में न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन भी शामिल थे। नीति में बाघ अभयारण्यों के अंदर वाहनों की आवाजाही के पहलू को भी शामिल किया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति गवई ने हाल में बंबई उच्च न्यायालय द्वारा उस घटना पर स्वतः संज्ञान लिए जाने का उल्लेख किया, जिसमें पर्यटकों को ले जा रहे सफारी वाहनों ने नए साल पर महाराष्ट्र के उमरेड-पौनी-करहांडला अभयारण्य में बाघिन और उसके शावकों की आवाजाही में बाधा डाली थी। न्यायमूर्ति गवई ने कहा, नागपुर में मुझे समाचार देखने को मिला। सौभाग्य से, उच्च न्यायालय ने स्वतः संज्ञान ले लिया है। मामले में न्याय मित्र के तौर पर अदालत की सहायता कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता के. परमेश्वर ने कॉर्बेट बाघ अभयारण्य में अवैध निर्माण और पेड़ों की कटाई के संबंध में सीबीआई की जांच का हवाला दिया। उसने मामले में सीबीआई की रिपोर्ट देखी है। उत्तराखंड सरकार की ओर से उपस्थित वकील ने पीठ को उन अधिकारियों के खिलाफ शुरू की गई विभागीय जांच की वस्तु स्थिति के बारे में जानकारी दी, जो कथित तौर पर बाघ अभयारण्य में पेड़ों की अवैध कटाई और अवैध निर्माण में शामिल थे।

स्टार्टअप को लेकर मोदी सरकार ने सिर्फ नारा दिया: खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार द्वारा देश में स्टार्टअप को लेकर सिर्फ खोखली नारेबाजी और प्रचार किया गया। उन्होंने यह दावा भी किया कि वर्ष 2024 में 5000 से अधिक स्टार्टअप को (काम) बंद करने के लिए मजबूर किया गया।

खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''9 साल में मोदी सरकार ने सिर्फ फर्जीवाड़े का स्टार्टअप बनाया। तथ्य यह है कि भारतीय स्टार्टअप को मोदी सरकार से ना के बराबर समर्थन मिला है। स्टार्टअप उद्योग में जो भी विकास हुआ है, उसका श्रेय स्टार्टअप चलाने वालों की उद्यमशीलता की भावना को जाना चाहिए, न कि केंद्र सरकार को।'' उन्होंने दावा किया कि केवल 1.58 प्रतिशत मान्यता प्राप्त स्टार्टअप को भारत सरकार द्वारा निर्धारित 'स्टार्टअप इंडिया सीड फंड' के लिए मंजूरी दी गई है और 97% से अधिक को कोई कर लाभ नहीं मिला है।

खरगे ने कहा, ''भाजपा ने 20,000 करोड़ रुपए स्टार्टअप 'सीड फंड' का वादा किया... लेकिन मोदी सरकार ने सिर्फ 454.04 करोड़ रु. के वित्तपोषण को मंजूरी दी है। प्रति मान्यता प्राप्त स्टार्टअप को औसत फंडिंग के रूप में सिर्फ 32.65 लाख रु. की मंजूरी दी गई है।'' उन्होंने दावा किया कि अकेले 2024 में 5000 से अधिक स्टार्टअप को (काम) बंद करने के लिए मजबूर किया गया है और 2020 से अब तक 1,56,000 स्टार्टअप नौकरियां खत्म हो चुकी हैं।

छात्र ने डेटिंग ऐप के जरिए महिला से 18 लाख रु. ठगे, जालंधर में पकड़ा गया

नई दिल्ली/भाषा। डेटिंग ऐप के जरिए लोगों को उच्च रिटर्न का वादा करके ठगने वाले 27 वर्षीय सनदी लेखाकार (सीए) छात्र को पंजाब के जालंधर से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस उपायुक्त (द्वारका) अंकित सिंह ने बताया, ''आरोपी की पहचान नीलेश जिंदल के रूप में हुई है, जिसने विश्वास जीतने के बाद व्यक्तियों से बड़ी रकम ठगी।''

अधिकारी के अनुसार, जिंदल ने खुद को फंड मैनेजर के रूप में पेश करके युवा पेशेवरों और छात्रों को निशाना बनाया और उन्हें फर्जी ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म में निवेश करने के लिए राजी किया।

उसने एक महिला से 18 लाख रुपए ठगे।

पीड़ित महिला ने पिछले साल 18 दिसंबर को द्वारका के साइबर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी।

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुबियांतो गणतंत्र दिवस समारोहों में मुख्य अतिथि होंगे : विदेश मंत्रालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो 26 जनवरी को 76वें गणतंत्र दिवस समारोहों में मुख्य अतिथि होंगे। विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सुबियांतो राष्ट्रपति के तौर पर 25 से 26 जनवरी तक भारत की अपनी पहली यात्रा पर होंगे।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि एक व्यापक रणनीतिक साझेदार के रूप में इंडोनेशिया, भारत की 'एक्ट ईस्ट नीति' और हिंद-प्रशांत के उसकी दृष्टि का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। विदेश मंत्रालय ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर इंडोनेशिया गणराज्य के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो 25-26 जनवरी के दौरान भारत की राजकीय यात्रा करेंगे।'' मंत्रालय के बयान में कहा गया, ''राष्ट्रपति प्रबोवो भारत के 76वें गणतंत्र दिवस समारोहों में मुख्य अतिथि भी होंगे।'' बयान के अनुसार, ''भारत और इंडोनेशिया के बीच हजारों वर्षों से मधुर और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं।'' विदेश मंत्रालय ने कहा कि इंडोनेशिया के राष्ट्रपति की आगामी यात्रा दोनों देशों के नेतृत्व को द्विपक्षीय संबंधों की व्यापक समीक्षा करने के साथ-साथ परस्पर हितों के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करने का अवसर प्रदान करेगी। भारत हर साल अपने गणतंत्र दिवस समारोह में शरीक होने के लिए विश्व नेताओं को आमंत्रित करता है। पिछले साल, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों गणतंत्र दिवस समारोहों में मुख्य अतिथि थे, जबकि मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी 2023 के समारोहों में शामिल हुए थे। कोविड-19 महामारी के मद्देनजर 2021 और 2022 में गणतंत्र दिवस समारोहों में कोई मुख्य अतिथि नहीं थे। वर्ष 2020 में, ब्राजील के तत्कालीन राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो गणतंत्र दिवस समारोहों में मुख्य अतिथि थे। 2019 में, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा गणतंत्र दिवस परेड में मुख्य अतिथि थे, वहीं 2018 में सभी 10 आसियान देशों के नेताओं ने समारोह में भाग लिया। वर्ष 2017 में, आबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान समारोह में मुख्य अतिथि थे।

बाजार के दायरे में ज्यादा-से-ज्यादा लोगों को लाने की इच्छा: सेबी प्रमुख बुच

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच ने बृहस्पतिवार को कहा कि बाजार नियामक अधिक-से-अधिक भारतीयों को बाजार दायरे में लाना को इच्छुक है, ताकि वे धन सृजन के अवसर का लाभ उठा सके।

बुच ने कहा कि सेबी अधिक-से-अधिक लोगों को सेवा देने पर ध्यान देने के साथ कई कदम उठा रहा है। कृत्रिम मेधा (एआई) उन उपायों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

उन्होंने सेबी के एक कार्यक्रम को डिजिटल रूप से संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था में एक 'बहुत बड़ा अवसर' है। सभी लोगों के लिए लाभ के मकसद से आवश्यक तकनीकी उत्पादों को एक बड़े परिवेश के हिस्से के रूप में रखा गया है।

बुच ने कहा, ''... कोई प्रणाली भले ही कुशल है, लेकिन अगर विशिष्ट है, तो वह राष्ट्र की सेवा नहीं करती है। हम चाहते हैं कि हमारा बाजार परिवेश समावेशी हो। देश के अधिक से अधिक लोग इसके दायरे में आयें और उन्हें देश के लिए धन सृजन का अवसर मिले।''

बुच ने कहा कि सेबी कई उपायों को क्रियान्वित कर रहा है इसमें कृत्रिम मेधा नायक की निभा रहा है भूमिका

उन्होंने कहा कि सेबी कई उपायों को क्रियान्वित कर रहा है। इसमें कृत्रिम मेधा 'नायक' की भूमिका निभा रहा है।

बुच ने कहा, ''मेरे लिए, केवल यह महत्वपूर्ण नहीं है कि प्रौद्योगिकी के मामले में एआई कितना शक्तिशाली है और यह क्या कर सकता है, बल्कि तथ्य यह है कि यह एक संगठन के भीतर प्रौद्योगिकी के उपयोग करने की क्षमता को बेहद लोकतांत्रिक बना रहा है।'' उन्होंने प्रौद्योगिकी को जादू की छड़ी बताया।

उसी कार्यक्रम में इन्फोसिस चेयरमैन नंदन नीलेकणि ने कहा कि सेबी तीन महीने की लक्षित समयसीमा के भीतर प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश दस्तावेजों को मंजूरी देने की अपनी प्रतिबद्धता का पालन करने के लिए एआई का उपयोग कर रहा है।

प्रतियोगिता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

उपमुख्यमंत्री श्री. उदयनिधि स्टालिन ने गुरुवार को मदुरै जिले की विश्व प्रसिद्ध अलंकनल्लूर जल्लीकट्टू प्रतियोगिता का दौरा किया और इसे हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर वाणिज्यिक कर और पंजीकरण मंत्री पी. मूर्ति, सूचना प्रौद्योगिकी और डिजिटल सेवा मंत्री डॉ. पलानिवेल त्यागराजन, संसद सदस्य थंगथामिलचेलवन, मारू, रानी श्रीकुमार उपस्थित थे।

आईआईटी मद्रास 'आईइन्वेनटिव' रिसर्च एक्सपो के तीसरे संस्करण का आयोजन करेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास 28 फरवरी से एक मार्च तक 'राष्ट्रीय एक्सपो आईइन्वेनटिव 2025' का आयोजन करेगा।

इस एक्सपो में देश के अग्रणी प्रौद्योगिकी संस्थानों के अत्याधुनिक शोध को प्रदर्शित किया जाएगा। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। एक्सपो का उद्घाटन केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान करेंगे और इसमें सभी आईआईटी, एनआईटी (राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान), आईआईएससी (भारतीय विज्ञान संस्थान) और आईआईएसईआर (भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान) के साथ-साथ एनआईआरएफ रैंकिंग में शीर्ष 50 में स्थान पाने वाले शीर्ष सरकारी और निजी इंजीनियरिंग संस्थानों की अनुसंधान व विकास परियोजनाएं प्रदर्शित की जाएंगी।

आईआईटी मद्रास के निदेशक वी. कामकोटी ने बताया, इस एक्सपो का मुख्य उद्देश्य उद्योग जगत में तकनीकी सफलताओं के बारे में जागरूकता बढ़ाना और बेहतर उद्योग-अकादमिक सहयोग प्राप्त करना है। इस वर्ष की मुख्य बात यह है कि इसमें भाग लेने वाले संस्थानों (लगभग 300) की बड़ी संख्या में प्रदर्शनी लगाई जाएगी, जिसमें इन संस्थानों से अनुसंधान और विकास के आधार पर शुरू किए गए स्टार्टअप का अच्छा प्रतिनिधित्व होगा।

उन्होंने बताया, परिपक्व टीआरएल (प्रौद्योगिकी तत्परता स्तर) चरण सात से नौ में प्रौद्योगिकियों पर विशेष जोर दिया जाएगा, जो व्यावसायीकरण के लिए तैयार हैं और इन्हें कार्यक्रम के दौरान ही उद्योग को हस्तांतरित किया जा सकता है। 'आईइन्वेनटिव' शिक्षा मंत्रालय का एक प्रमुख कार्यक्रम है।

कामकोटी ने बताया, इस वर्ष, इस आयोजन में निजी संस्थान सहित कई और संस्थान भाग ले रहे हैं। यह दो दिवसीय कार्यक्रम संस्थानों के आविष्कारों और रचनात्मकता को प्रदर्शित करने के लिए है।

हमें उम्मीद है कि इस कार्यक्रम में बहुत सारे निवेशक और बड़े औद्योगिक संगठन भाग लेंगे, जिससे उद्योग-अकादमिक सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। इस एक्सपो में जिन विषयगत क्षेत्रों को सामने लाया जाएगा उनमें कृत्रिम मेधा (एआई), मशीन लर्निंग (एमएल) प्रौद्योगिकियां, विमानन, रक्षा व अंतरिक्ष, समुद्री प्रौद्योगिकी, चिकित्सा या स्वास्थ्य देखभाल इंजीनियरिंग, ग्रामीण प्रौद्योगिकी, स्मार्ट शहर और बुनियादी ढांचा समेत अन्य शामिल हैं।

विश्व चैंपियन बनने के बाद गुकेश हिस्सा लेंगे टाटा स्टील शतरंज में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विज्क आन जी (नीदरलैंड)। ग्रैंडमास्टर डी गुकेश विश्व चैंपियन बनने के बाद शुक्रवार से यहां शुरू हो रहे टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे। दिसंबर में सिंगापुर में विश्व चैंपियनशिप जीतने के बाद गुकेश ने न्यूयॉर्क में विश्व रैपिड और ब्लिट्ज टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया था। इसके बाद वह पहली बार किसी टूर्नामेंट में शिरकत करेंगे। वह शनिवार को अपना अभियान शुरू करेंगे। शुक्रवार को उद्घाटन समारोह में जोड़ियों की घोषणा की जाएगी। पांच भारतीय पहली बार 'शतरंज का विंबलडन' कहे जाने वाले टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे हैं। यह दुनिया में सबसे लंबे समय तक चलने वाली प्रतियोगिताओं में से एक है जो 1938 से खेली जा रही है।

दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी 2024 में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर इस प्रतियोगिता में सबसे ज्यादा रेटिंग वाले भारतीय खिलाड़ी के रूप में शुरुआत करेंगे। इस दौरान वह विश्वनाथन आनंद के बाद 2800 ईएलओ रेटिंग पार करने वाले दूसरे भारतीय बन गए थे। 14 खिलाड़ियों और 13 दौर की इस प्रतियोगिता में आर प्रज्ञानानंदा भी दौड़ में होंगे।

प्रज्ञानानंदा के दुनिया के युवा खिलाड़ियों में शायद सबसे ज्यादा प्रशंसक हैं। विदित गुजराती को इस प्रतियोगिता से हटना पड़ा और आयोजकों ने उनकी जगह पी हरिकृष्णा को चुना।

पांचवें भारतीय लियोन ल्यूक मेंडोंका हैं जिन्हें चैलेंजर्स वर्ग के पिछले चरण में जीत के बाद एलीट शतरंज में अपना पहला बड़ा ब्रेक मिला है।

केपीसीसी अध्यक्ष पद किसी दुकान से नहीं खरीदा जा सकता : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री और केपीसीसी अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने गुरुवार को यहां कहा कि केपीसीसी अध्यक्ष पद किसी दुकान से नहीं खरीदा जा सकता। कैम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और बाद में विधान सौधा में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, केपीसीसी अध्यक्ष पद कोई ऐसी चीज नहीं है जो किसी दुकान से मिल जाए और न ही मीडिया में खुलकर बोलकर इसे हासिल किया जा सकता है। केपीसीसी अध्यक्ष पद में बदलाव पर चर्चा के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, कड़ी मेहनत और उपलब्धियों को पार्टी नेताओं द्वारा हमेशा पहचाना जाएगा और उचित रूप से पुरस्कृत किया जाएगा। मीडिया में खुलेआम पद की मांग कौन करता है? यह मेरे लिए नया है।

अगर राज्य में पार्टी में कोई नया बदलाव होता है, तो मैं खुद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाऊंगा और इसकी घोषणा करूंगा। अभी प्राथमिकता पार्टी को संगठित करना और इसे मजबूत बनाना है। कर्नाटक के प्रभारी महासचिव और मुख्यमंत्री ने पहले ही पार्टी में सभी को अनुशासन में रहने की सलाह दी है। उन्होंने सभी को निर्देश दिया है कि वे पार्टी के किसी भी मामले पर सार्वजनिक रूप से चर्चा न करें। पार्टी के अंदरूनी मामलों पर मीडिया के सामने चर्चा नहीं होनी चाहिए। किसी भी मुद्दे या चिंता पर निजी तौर पर एआईसीसी अध्यक्ष राहुल गांधी, मुख्यमंत्री या केपीसीसी अध्यक्ष से चर्चा की जानी चाहिए। चाहे कोई भी राजनीतिक दल हो, अंदरूनी मामलों पर पार्टी फोरम में चर्चा होनी चाहिए। सार्वजनिक बयानबाजी से नुकसान ही होता है। उन्होंने कहा कि ''डीके शिवकुमार ने अकेले पार्टी को राज्य में सत्ता में नहीं पहुंचाया। पार्टी कार्यकर्ताओं और मतदाताओं ने हम पर विश्वास करते हुए पार्टी को सत्ता में पहुंचाया है।

दंपति ने दो बच्चों को जहर देने के बाद की आत्महत्या, चारों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इरोड। तमिलनाडु में इरोड जिले के गोबीचेट्टिपलायम के निकट एक दंपति ने अपने दो बच्चों को जहर देने के बाद आत्महत्या कर ली। बच्चों की भी बृहस्पतिवार को मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक सिरुवलूर गांव के निवासी और वेल्लनकोइल में एक निजी परिधान फैक्टरी के कर्मचारी धनसेकरन (36) और उनकी पत्नी बालमणि (29) अपने 10 और सात साल के दो बच्चों के साथ रह रहे थे और उनके दोनों बच्चे एक स्थानीय स्कूल में पढ़ रहे थे।

पुलिस ने शुरुआती जांच के आधार पर बताया कि दंपत्ति के बीच अक्सर घरेलू विवाद होता रहता था। बुधवार की रात उन्होंने जहर खा लिया और साथ ही शीतल पेय में जहर मिलाकर बच्चों को भी पिला दिया। बच्चों ने थोड़ी मात्रा में इसे पीने के बाद उसे थूक दिया और पड़ोसियों को पूरे मामले की जानकारी देने के लिए घर से बाहर भागे।

पुलिस ने बताया कि पड़ोसी मौके पर पहुंचे तो दंपत्ति को बेहोश पाया। उन्होंने तुरंत सिरुवलूर पुलिस को सूचित किया और परिवार के सभी चार सदस्यों को पेरुंदुरई के सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल पहुंचाया। लेकिन आपातकालीन उपचार के बावजूद दंपत्ति की मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि बच्चों को बृहस्पतिवार की सुबह कोयंबटूर चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन बाद में उनकी मौत हो गई। पुलिस मामला दर्ज कर आगे की जांच कर रही है।

प्रमुख मलयालम समाचार चैनल के तीन पत्रकारों के खिलाफ पॉक्सो के तहत मामला दर्ज

तिरुवनंतपुरम/भाषा। हाल में राज्य स्कूल महोत्सव के दौरान रिपोर्टिंग के संबंध में एक प्रमुख मलयालम समाचार चैनल के वरिष्ठ संपादक और दो पत्रकारों के खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। कैंटोनमेंट थाने के एक अधिकारी ने बताया कि बुधवार को चैनल के तीन पत्रकारों के खिलाफ पॉक्सो अधिनियम की धारा 11 (यौन उत्पीड़न) और 12 (यौन उत्पीड़न के लिए सजा) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस ने बताया कि ये अपराध जमानती हैं। अधिकारी ने कहा कि महिला एवं बाल विकास कार्यालय की एक रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी के पहले सप्ताह में आयोजित राज्य स्कूल महोत्सव की कवरेज के दौरान चैनल के संवाददाताओं द्वारा एक प्रतियोगी के बारे में दिए गए कुछ बयान ''द्विअर्थी'' प्रतीत होते हैं।

उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में मंगलवार को मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन ने तमिलनाडु पोंगल त्योहार के अवसर पर अपने परिवारों के साथ कैंप कार्यालय आए हजारों नागरिकों और स्वयंसेवकों को बधाई दी एवं पोंगल की भेंट दी।

केरल पुलिस ने समाधि लेने वाले व्यक्ति का शव निकाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। पुलिस ने बृहस्पतिवार को तिरुवनंतपुरम जिले के नेय्याट्टिनकारा के निकट 69 वर्षीय व्यक्ति का शव खोदकर निकाला, जिसके परिवार ने दावा किया था कि उसने समाधि ले ली थी। कड़ी सुरक्षा के बीच नेय्याट्टिनकारा पुलिस ने समाधि वाली जगह को खोदा और शव को बरामद किया। मृतक की पहचान गोपन स्वामी के रूप में हुई है। जांच की कार्यवाही पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए तिरुवनंतपुरम मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया। इससे पूर्व, पुलिस ने व्यापक सुरक्षा उपाय किए थे जिसमें एक फोरेंसिक सर्जन के नेतृत्व में मेडिकल टीम के साथ इलाके में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था। खुदाई के दौरान शव बैठी हुई अवस्था में मिला। पुलिस सूत्रों के अनुसार, समाधि वाली जगह के अंदर विभूति' सहित विभिन्न प्रकार की पूजा सामग्री मिली है।

तिरुवनंतपुरम के उप-जिलाधिकारी अल्फ्रेड ओ. वी. ने कहा, हमने परिवार के सदस्यों से बातचीत की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि पुलिस आगे की जांच करेगी और पोस्टमार्टम के बाद शव परिवार को सौंप दिया जाएगा। परिवार के सदस्यों और स्थानीय निवासियों के एक वर्ग के विरोध के बाद पुलिस ने सोमवार को शव को निकालने की प्रक्रिया को अस्थायी रूप से रोक दिया था। इसके बाद परिवार ने केरल उच्च न्यायालय का रुख किया और पुलिस को समाधि' स्थल को ध्वस्त करने, उसकी खुदाई के प्रयास से रोकने के लिए आदेश देने का अनुरोध किया। हालांकि, अदालत ने जांच में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया।

अदालत ने कहा कि जांच एजेंसियों को ऐसे व्यक्तियों से जुड़े मामलों की जांच करने का अधिकार है जो लापता हो जाते हैं या संदिग्ध परिस्थितियों में मर जाते हैं। अदालत ने कहा कि इस मामले में कुछ संदिग्ध लग रहा है, इसलिए जांच को रोका नहीं जा सकता। उच्च न्यायालय ने याचिकाकर्ता से जांच को लेकर उसकी आशंकाओं के बारे में पूछा और यह भी पूछा कि उसके पति की मौत कैसे हुई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, शव का पोस्टमार्टम बृहस्पतिवार को ही होगा। नेय्याट्टिनकारा पुलिस को राजस्व संभागीय अधिकारी (आरडीओ) से शव को पोस्टमार्टम के लिए खोदकर निकालने का आदेश मिला था, जिसे संदिग्ध परिस्थितियों में दफनाया गया था। घटना का पता तब चला जब व्यक्ति के आवास के पास पोस्टर लगे थे, जिसमें लिखा था, गोपन स्वामी ने समाधि ले ली है।

पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज किया और निवासियों द्वारा उनकी मौत में गड़बड़ी का आरोप लगाने की शिकायत के बाद शव को खोदकर निकालने का फैसला किया। गोपन स्वामी के बेटे राजसेनन ने दावा किया कि उनके पिता पिछले शुक्रवार को रात करीब साढ़े 11 बजे समाधि स्थल पर गए और समाधि ले ली।

उन्होंने मीडियाकर्मियों को बताया कि गोपन स्वामी ने परिवार को निर्देश दिया था कि वे उनके शव को लोगों की नजरों से दूर रखें और उसे दफना दें। विशेष समाधि स्थल का निर्माण गोपन स्वामी ने करवाया था, जो एक पुजारी थे। उन्होंने नेय्याट्टिनकारा के कावुविलकम में अपनी जमीन पर एक मंदिर की स्थापना भी की थी।

केपीसीसी प्रमुख को बदलने के बयान पर शिवकुमार ने मंत्री जारकीहोली के खिलाफ नाराजगी जताई

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने बृहस्पतिवार को राज्य सरकार के मंत्री सतीश जरकीहोली के पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष को बदलने के उनके बयान के लिए उन पर निशाना साधा। शिवकुमार 2020 से कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। शिवकुमार ने कहा, ''क्या कोई इसे (पद) मीडिया में पा सकता है? आप इसे मीडिया या किसी दुकान में नहीं पा सकते। यह हमारे द्वारा किए गए काम के लिए पुरस्कार के रूप में दिया जाता है। क्या मीडिया आपको इसे उपहार में देगा। यह नया चलन है।''

जारकीहोली ने बुधवार को सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर प्रदेश अध्यक्ष के बदलाव को लेकर बहस छेड़ते हुए कहा कि राज्य में पार्टी को अधिक समय देने के लिए पूर्णकालिक नेता की जरूरत है। उनके अनुसार, निचले स्तर पर काफी चर्चा हो रही है, लेकिन यह शीर्ष स्तर से आनी चाहिए। बाद में उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने शिवकुमार को कांग्रेस अध्यक्ष पद से हटाने के बारे में कभी बात नहीं की। पार्टी आलाकमान की नाराजगी के बाद बयान से पलटते हुए मंत्री ने बुधवार देर रात मीडिया पर उनके बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश करने का आरोप लगाया। लोक निर्माण विभाग का प्रभार संभाल रहे जारकीहोली ने अपने फेसबुक पेज पर एक वीडियो बयान में कहा, मीडिया में आई खबरें सच्चाई से कोसों दूर हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया। उन्होंने कहा, मैंने कभी डी के शिवकुमार को बदलने के बारे में नहीं कहा। मैंने केवल पार्टी संगठन और आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए कुछ सुझाव दिए थे।

केरल में अवैध रूप से रहने के आरोप में बांग्लादेशी महिला गिरफ्तार

कोच्चि। केरल के पेरुंबवूर में एक बांग्लादेशी महिला को भारत में अवैध रूप से रहने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को बताया कि पेरुंबवूर में प्रवासी श्रमिकों के बीच रहने वाली एक बांग्लादेशी नागरिक के बारे में गुप्त सूचना मिलने के बाद पुलिस की एक टीम ने तलाश अभियान चलाया और महिला को हिरासत में ले लिया, जिसकी पहचान तस्लीमा के रूप में हुई है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के मुताबिक, तस्लीमा पिछले कुछ समय से पेरुंबवूर में एक बिहारी श्रमिक के साथ रह रही थी और उसे बुधवार को गिरफ्तार कर लिया गया।

एर्नाकुलम ग्रामीण के पुलिस अधिक्षक (एसपी) वैभव सक्सेना ने कहा, पुलिस मामले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। गिरफ्तार बांग्लादेशी महिला से गहन पूछताछ की जा रही है। सक्सेना ने मामले में कोई अतिरिक्त जानकारी देने से इनकार कर दिया। पुलिस ने बताया कि महिला को पेरुंबवूर पुलिस थाने ले जाया गया है, जहां उससे गहन पूछताछ की जा रही है।

बेलगावी में कांग्रेस की 'जय बापू, जय भीम, जय संविधान' रैली अब 21 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। कर्नाटक के बेलगावी में कांग्रेस की 'जय बापू, जय भीम, जय संविधान' रैली अब 21 जनवरी को होगी। पिछले महीने इस सभा को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन के कारण स्थगित कर दिया गया था। 'जय बापू, जय भीम, जय संविधान' अभियान का समापन 27 जनवरी को मध्य प्रदेश के महू में एक जनसभा के साथ होगा। महू बाबासाहेब आंबेडकर का जन्मस्थान है। पार्टी के एक परिपत्र में कहा गया है कि महू में रैली संविधान की 75वीं वर्षगांठ और भारत के गणतंत्र की स्थापना का जश्न मनाएगी और इसके साथ बाबासाहेब आंबेडकर की विरासत पर कथित हमले के विषय को भी उठाएगी।

हल्की बारिश के बाद राजस्थान के ज्यादातर इलाकों में कड़ाके की सर्दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। गत दो दिनों में राजस्थान के कई इलाकों में बूंदाबांदी और बारिश होने के बाद सर्दी और तेज हो गई है। राज्य में नागौर में सबसे कम, 3.7 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, बृहस्पतिवार को सुबह तक बीते चौबीस घंटे में पूर्वी राजस्थान में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा दर्ज की गई जबकि पश्चिमी राजस्थान में मौसम शुष्क रहा।

आज सुबह राज्य में कहीं-कहीं पर घने से अति घना कोहरा छाया रहा। तापमान में और गिरावट के चलते पूर्वी राजस्थान में कई जगह शीत और अति शीत दिन रहा। इसके अनुसार, इस दौरान न्यूनतम तापमान नागौर में 3.7 डिग्री, फतेहपुर में 5.4 डिग्री, गंगानगर में अलवर में 5.8 डिग्री, सिरोही में 6.1 डिग्री और अजमेर में न्यूनतम तापमान 6.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार राज्य के अधिकतर भागों में आगामी 4-5 दिन मौसम शुष्क रहने तथा कोटा, अजमेर, जयपुर, भरतपुर, बीकानेर संभाग के कुछ भागों में आगामी 2-3 दिन घना कोहरा छाने की संभावना है। कोहरे के प्रभाव से आगामी दो दिन कहीं-कहीं अधिकतम तापमान सामान्य से 2-4 डिग्री नीचे जाने की संभावना है। राज्य में 22 जनवरी के आसपास एक और नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना है।

बिना जल के कल संभव नहीं : पाटिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अनूठी संकल्पना 'कैच द रेन' को आगे बढ़ाते हुए कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान की शुरूआत की गई है। जल संचय का यह अभियान जन भागीदारी से जन आंदोलन बन रहा है और इसके अंतर्गत राजस्थान में प्रवासियों द्वारा जल संचय की संरचनाओं का निर्माण करवाया जा रहा है। पाटिल मुख्यमंत्री निवास पर जल संचय जन भागीदारी विषय पर संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत में विश्वभर की 18 प्रतिशत आबादी के साथ केवल 4 प्रतिशत पानी की उपलब्धता है। वर्तमान परिस्थितियों के अनुसार बिना जल के कल संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि वृहद परियोजनाओं के साथ छोटे स्तर पर भी वर्षा जल संग्रहण करना आवश्यक है ताकि हर गांव का पानी गांव में, हर खेत का पानी खेत में और हर घर का वर्षा जल घर में ही जमीन में उतर सके।

उन्होंने कहा कि कृषि कार्यों एवं औद्योगिक गतिविधियों के लिए पानी की महती आवश्यकता होती है। राजस्थान के लोगों से अधिक पानी के महत्व को कोई नहीं समझ सकता है। उन्होंने जन भागीदारी जल संचय अभियान में राज्य सरकार के प्रयासों एवं प्रवासी राजस्थानियों के द्वारा निभाई जा रही भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार प्रदेश के जिला एवं ब्लॉक्स को डार्क जोन मुक्त बनाने की दिशा में कार्य करेगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के माध्यम से हम राजस्थान को जल उपलब्धता में संपन्न बनाकर इसे एक हरा-भरा, समृद्ध और आत्मनिर्भर राज्य बनाएंगे। इस अभियान के माध्यम से हमारे भविष्य के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि जल संचय हम सब की सामूहिक जिम्मेदारी है। नदियां, तालाब और जलस्रोत हमारी विरासत हैं और यह हमारा कर्तव्य है कि हम उन्हें बचाने और संरक्षित करें। उन्होंने कहा कि यह अभियान राजस्थान की समृद्धि और आने वाले पीढ़ियों के भविष्य के लिए अहम है। मुख्यमंत्री ने जल संचय में जन भागीदारी की पहल में सभी से भागीदार बनने तथा इस अभियान में पूरी शक्ति और समर्पण के साथ जुड़ने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद देश में गरीब कल्याण से लेकर विकास कार्यों में अभूतपूर्व परिवर्तन आए हैं। प्रधानमंत्री ने सामाजिक सरोकारों की कड़ी को आगे बढ़ाते हुए जल संरक्षण की दिशा में कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान शुरू किया है। इस अभियान में प्रवासी राजस्थानियों द्वारा अपनी मातृभूमि के लिए जिम्मेदारी निभाते हुए जल संचय के कार्यों में उत्साह के साथ भागीदारी निभा रहे हैं। इस अभियान में राजस्थान में 45 हजार रैन वाटर रिचार्ज स्ट्रक्चर वर्ष 2027-28 तक बनाए जाने हैं, जो वर्षा का पानी संग्रहित कर भूमिगत पानी के स्तर को बढ़ाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने 'जन्मभूमि से कर्मभूमि जलसंचय जनभागीदारी जनआंदोलन' कार्यक्रम की शुरूआत की थी। अब यह अभियान पूरे देश में जल संचयन की दिशा में जनभागीदारी का प्रेरणास्रोत बन चुका है। उन्होंने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य वर्षाजल का संचय कर भूजल स्तर की गिरावट को रोकना तथा जल की एक-एक बूंद को बचाकर उसे संग्रहित कर पुनर्भरण करना है। उन्होंने कहा कि राजस्थान के व्यवसायी और समाजसेवी इस अभियान से जुड़ने के लिए आगे आ रहे हैं और अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। शर्मा ने कहा कि गत एक वर्ष में हमारी सरकार ने प्रदेश में जल उपलब्धता के सुधारों के लिए समर्पित होकर कार्य किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री के सहयोग एवं मार्गदर्शन से राजस्थान को ईआरसीपी-पीकेसी की सौगात मिली है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का एक साल पूर्ण होने पर प्रधानमंत्री की उपस्थिति में केंद्र सरकार, मध्य प्रदेश के साथ मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट (एमओए) पर हस्ताक्षर हुए। इस महत्वाकांक्षी परियोजना से पूर्वी राजस्थान में रहने वाले लगभग सवा तीन करोड़ लोगों को सुलभ पेयजल की उपलब्धता मिलेगी।

यूजीसी के स्टाफ नियुक्ति के नियमों के मसौदे की आलोचना की गहलोत ने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा शैक्षणिक स्टाफ की नियुक्ति के लिए बनाए गए नियमों के मसौदे की आलोचना करते हुए कहा है कि ऐसे नियम हमारी उच्च शिक्षा को बर्बाद कर देंगे। गहलोत ने 'एक्स' पर लिखा, ऐसा लगता है कि यूजीसी द्वारा विश्वविद्यालयों में वाइस चांसलर एवं शैक्षणिक स्टाफ की नियुक्ति के लिए बनाया गया नियमों का मसौदा आरएसएस विचारकों को विश्वविद्यालयों में स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए बनाया गया है।

कांग्रेस नेता ने लिखा, इस मसौदे के अनुसार अब वाइस चांसलर बनने के लिए अकादमिक होने की बाध्यता भी नहीं रहेगी और राज्य के विश्वविद्यालयों में भी वाइस चांसलर की नियुक्ति केंद्र सरकार ही करेगी। इन नियमों से विश्वविद्यालयों में अनुबंधित प्रोफेसरों की संख्या 10 फीसदी भी हो सकेगी यानी चहेते लोगों को प्रोफेसरों की तरह लगाना आसान होगा।

गहलोत के अनुसार, ऐसे नियम हमारी उच्च शिक्षा को बर्बाद कर देंगे क्योंकि इससे अयोग्य लोगों के विश्वविद्यालयों में काबिज होने का खतरा होगा। यह देश की संघीय व्यवस्था के साथ खिलवाड़ होगा क्योंकि इससे राज्यों के अधिकार कम होंगे। उन्होंने कहा कि सभी राज्य सरकारों एवं अकादमिक समुदाय को ऐसे नियमों का विरोध करना चाहिए जो उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को खराब करेंगे एवं देश के भविष्य के साथ खिलवाड़ करेंगे।

कर्मचारियों के हित में लगातार अहम निर्णय ले रही राज्य सरकार : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कर्मचारी हमारे राज्य की महत्वपूर्ण कड़ी है तथा सरकार और कर्मचारी का संबंध प्रगाढ़ होता है। हमारी प्राथमिकता है कि कर्मचारियों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। उन्होंने कहा कि विकसित और खुशहाल राजस्थान के लक्ष्य के लिए कार्मिक समर्पण एवं सेवाभाव के साथ काम करें तथा आगामी बजट 2025-26 में कर्मचारी संगठनों से प्राप्त सुझावों को परीक्षण कर यथासंभव शामिल किया जाएगा। शर्मा गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में कर्मचारी संघों के साथ बजट पूर्व संवाद को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य की 8 करोड़ जनता की आशा और आंकाक्षाओं को पूरा करने में कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि गत एक वर्ष में राज्य सरकार ने राज्य में बिजली-पानी की प्राथमिकता को समझते हुए अनेक निर्णय लिए हैं। ईआरसीपी, यमुना जल समझौता, देवास परियोजना सहित विभिन्न परियोजनाओं से जहां राज्य में जल की आपूर्ति बढ़ी हैं, वहीं किसानों को 2027 तक दिन में बिजली देने के लक्ष्य को लेकर राइजिंग राजस्थान में ऊर्जा के क्षेत्र में सर्वाधिक एमओयू किए गए हैं। राज्य सरकार प्रदेश को उत्कृष्ट और विकसित राजस्थान बनाने के संकल्प के साथ काम कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने कर्मचारियों के हित में कई अहम फैसले लिए हैं। कार्मिकों को पदोन्नति के लिए वर्ष 2023-24 में वांछित अनुभव में 2 वर्ष की शिथिलता दी गई है। साथ ही, खेल पदक विजेताओं को नियमानुसार वेतन श्रृंखला एवं वेतन वृद्धि दी गई है। उन्होंने कहा कि राजस्थान सिविल सेवा नियमों के तहत अनुशासनात्मक कार्यवाहियों में परिनिंदा दंड का प्रभाव पदोन्नति पर नहीं होने संबंधी प्रावधान, जमादार ग्रेड-फर्स्ट एवं मुख्य जमादार का नया पद सृजन, सभी राजसेवकों को लंबित कार्यमूल्यांकन प्रतिवेदन भरने के लिए 31 जनवरी 2025 तक का समय देने जैसे निर्णय राज्य सरकार ने कर्मचारियों के हित में लिए हैं। उन्होंने कहा कि पेंशनर की मृत्यु हो जाने पर पारिवारिक पेंशनर आवेदन की प्रक्रिया को आसान बनाया गया है। साथ ही, सभी सेवारत कर्मचारी अपनी एसएसओ आईडी के माध्यम से ई-हस्ताक्षर द्वारा पेंशनर के जीवन प्रमाण पत्र जारी कर सकते हैं। इससे राज्य सरकार के 5 लाख से अधिक पेंशनरों को घर बैठे जीवन प्रमाण पत्र की सुविधा मिली है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार युवाओं को रोजगार देने, भर्ती प्रक्रियाओं में सुधार करने और कर्मचारियों के कल्याण के लिए प्रभावी कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि ग्रेच्यूटी की सीमा 20 लाख रुपए से बढ़ाकर 25 लाख रुपए करना, पेंशनर को 70 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर 5 प्रतिशत अतिरिक्त पेंशन भत्ता, 1 अप्रैल, 2024 के बाद कर्मचारी की मृत्यु होने पर 10 वर्ष तक बढ़ी हुई पारिवारिक पेंशन देने जैसे विभिन्न प्रावधान कर्मचारियों के लिए किए गए हैं। उन्होंने कहा कि आरजीएचएस के लाभार्थियों को दवाओं की घर पर ही डिलीवरी की सुविधा पायलट बेसिस पर चालू की गई है। साथ ही, संविदा कार्मिकों के लिए भी राज्य कर्मचारियों की तरह वार्षिक पारिश्रमिक वृद्धि की दो तिथियां 1 जुलाई और 1 जनवरी निर्धारित की गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम घोषणा करने में ही नहीं, बल्कि उन्हें धरातल पर उतारने में यकीन रखते हैं। हमने हमारे संकल्प पत्र में युवाओं को 4 लाख सरकारी तथा 6 लाख निजी क्षेत्र सहित कुल 10 लाख नौकरियां देने का संकल्प किया था। अब तक हमने 59 हजार से अधिक पदों पर नियुक्तियां दी हैं और 15 हजार नियुक्तियां प्रक्रियाधीन हैं। लगभग 81 हजार पदों पर भर्ती हेतु विज्ञापन जारी किए हैं।

प्रोफेसर ने आत्महत्या की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के उदयपुर जिले में बृहस्पतिवार को एक सरकारी विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ने अपने कार्यालय की खिड़की में फंदा डालकर कथित रूप से आत्महत्या कर ली। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। प्रतापनगर थाना प्रभारी भरत योगी ने बताया कि उदयपुर की महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रोफेसर नवीन चौधरी (54) ने अपने कार्यालय के कमरे की खिड़की में फंदा डालकर आत्महत्या कर ली। उन्होंने बताया कि कमरे से एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें प्रोफेसर ने अपनी बीमारी से परेशान होने के कारण यह कदम उठाने की बात लिखी है।

योगी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिये एमबी अस्पताल के शवगृह में रखवाया गया है और साथ ही परिजनों को घटना के बारे में सूचित कर दिया गया है। अधिकारी ने बताया कि परिजनों के यहां पहुंचने पर शुक्रवार सुबह पोस्टमार्टम किया जायेगा।

उन्होंने बताया कि चौधरी कम्प्यूटर साइंस विभाग में कार्यरत थे और सुबह करीब नौ बजे कॉलेज पहुंचे थे। अधिकारी ने बताया कि चौधरी ने हाजिरी रजिस्टर में हस्ताक्षर किए थे। थानाधिकारी ने बताया कि स्टाफ ने पूछताछ में बताया कि प्रोफेसर कार्यालय आने पर सबसे मिलते थे लेकिन बृहस्पतिवार को उन्होंने किसी से बात नहीं की और कार्यालय में चले गए। उन्होंने बताया कि काफी देर बाद जब विभाग प्रमुख ने चौधरी को पता करने के लिए स्टाफकर्मियों को भेजा तो उन्होंने प्रोफेसर को खिड़की से फंदे पर लटके हुआ पाया। अधिकारी ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गेहूं खरीद की तैयारियों को लेकर अहम बैठक, केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने राजस्थान की तैयारियों को सराहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश में गेहूं की खरीद समर्थन मूल्य पर करने को लेकर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग की ओर से पूरी तैयारी कर ली गई है। विभाग के मंत्री सुमित गोदारा की ओर से बार बार अधिकारियों को निर्देशित किया जा रहा है कि किसी भी किसान को रजिस्ट्रेशन या अन्य किसी भी तरह की परेशानी का सामना ना करना पड़े। इसके लिए विभागीय अधिकारी हर वक्त मुस्तैद रहें। गेहूं खरीद की तैयारियों को लेकर केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने पांच राज्यों के मंत्रियों की बैठक ली। वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए हुई इस बैठक में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा की ओर से राज्य सरकार की ओर की गई तैयारियों की जानकारी दी। इस दौरान विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे। केंद्रीय मंत्री ने राजस्थान की तैयारियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि राजस्थान की तरह अन्य राज्यों को भी समय रहते पूरी तरह मुस्तैद हो जाना चाहिए ताकि किसानों को कोई परेशानी ना हो।

मंत्री सुमित गोदारा ने कहा राजस्थान एकमात्र ऐसा राज्य है जहां गेहूं की खरीद देश में सबसे ऊंची दर पर किया जा रहा है। प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी की ओर से किसानों को बड़ी सौगात दी जा रही है। समर्थन मूल्य के अतिरिक्त प्रति क्विंटल 125 रुपए का बोनस दिया जा रहा है। गोदारा ने बताया कि गेहूं का समर्थन मूल्य 2425 रुपए प्रति क्विंटल है लेकिन राजस्थान के किसानों को बोनस सहित 2550 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से भुगतान किया जाएगा।

मंत्री सुमित गोदारा ने जानकारी दी कि गेहूं की खरीद एफसीआई, राजफैड, तिलम संघ, नेफेड और एनसीसीएफ की ओर से की जाएगी। प्रदेशभर में कुल 259 खरीद केंद्र बनाए गए हैं। इनमें एफसीआई के 153, राजफैड के 15, तिलम संघ के 45, नैफेड के 15 और एनसीसीएफ के 31 खरीद केंद्र शामिल हैं। समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीद 10 मार्च 2025 से 30 जून 2025 तक होगी।

गेहूं बेचने के लिए किसानों राज्य सरकार द्वारा जारी पोर्टल पर जाकर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराना होगा। रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया 1 जनवरी से शुरु हो चुकी है जो कि 25 जून तक चलेगी। ना केवल दिन के समय बल्कि किसान 24 घंटों में कभी भी रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। बुधवार तक करीब 14 हजार किसानों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के दौरान अगर किसी किसान भाई को किसी परेशानी का सामना करना पड़ता है तो टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1800-180-6030 पर सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक कॉल करके अपनी समस्या का निराकरण करा सकते हैं।

भाजपा ताएगी बाबा साहब का व्यक्तित्व, कांग्रेस पर लगाए अन्याय और दुरुपयोग के आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर। यहां भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने संविधान गौरव यात्रा के तहत बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के कार्यों और व्यक्तित्व को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। इस मौके पर प्रदेश महामंत्री जितेंद्र गोठवाल ने कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस ने 1952 से बाबा साहब के साथ अन्याय और अत्याचार किया। गोठवाल ने कहा, बाबा साहब को चुनाव में हराया गया और उनके द्वारा स्वतंत्र रूप से काम करने में बाधाएं डाली गईं। उन्हें मजबूरन सरकार से इस्तीफा देना पड़ा। कांग्रेस ने उनके नाम का दुरुपयोग कर दलित समाज को भ्रमित करने की राजनीति की है।

बीजेपी की यह यात्रा राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों में जाएगी और बाबा साहब द्वारा संविधान में समानता और न्याय के लिए किए गए कार्यों को लोगों तक पहुंचाएगी। गोठवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाबा साहब के पांच प्रमुख स्थलों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित कर उनके सपनों को साकार करने का प्रयास किया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान को लेकर कांग्रेस की आलोचना करते हुए गोठवाल ने कहा, कांग्रेस ने उनके बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया। यह उनकी वोट बैंक की राजनीति का हिस्सा है।

शपथ लेना सरल मगर इसको निभाना कठिन : देवनानी

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने राज्य कर्मचारियों का आव्हान किया है कि वे ईमानदारी, निष्ठा और संवेदनशीलता से कार्य कर राज्य सरकार के जनहितकारी संकल्पों को पूरा करने में सक्रिय भागीदारी निभाएं। उन्होंने कहा कि कर्मचारीगण समय पर आएं, समय पर जाएं और जनहित के कार्य कर राजस्थान की माटी को यश दिलाएं।

विधान सभा अध्यक्ष देवनानी ने गुरूवार को जयपुर कलेक्ट्रेट में नव निर्वाचित राजस्व मंत्रालयिक संघ की कार्यकारिणी को शपथ दिलाई। देवनानी ने सभी कर्मचारियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि कर्म और भाग्य हमारे जीवनरूपी लॉकर की दो चाबियां है। राज्य हित में राजकीय कार्यों का ईमानदारी व निष्ठा से सम्पादन आवश्यक है।

देवनानी ने कहा कि राज्य कर्मचारीगण राजकीय कार्यों में ऐसा वातावरण बनाये जिसमें आमजन के सभी कार्य आसानी से हो सकें और कोई भी व्यक्ति निराश होकर न जाए। उन्होंने कहा कि हमारी सोच सकारात्मक होनी चाहिए और जनता की समस्याओं का हल किया जाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। देवनानी ने कहा कि कर्मचारीगण नई तकनीक सिखने के लिए सदैव तत्पर रहे और नवाचारों और रचनात्मक सोच के साथ राजकीय कार्यों को सम्पादित करें। देवनानी ने कहा कि लोकतन्त्र में लोक और तंत्र दोनों महत्वपूर्ण हैं।

रोहित गोदारा गैंग के सक्रिय सदस्य की पत्नी सुधा कंवर गिरफ्तार, इटली के ट्रेपानी शहर में पकड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने एक और महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। टीम ने अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर इंटरपोल एजेंसी के साथ समन्वय कर रोहित गोदारा गैंग के सक्रिय सदस्य अमरजीत विश्नोई की पत्नी सुधा कंवर पुत्री युधिष्ठिर (26) निवासी बीछवाल, बीकानेर को स्थानीय पुलिस के मार्फत (15 जनवरी) को इटली के ट्रेपानी शहर में सिसली क्षेत्र से गिरफ्तार करवाया है। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स दिनेश एमएन ने बताया कि मुख्यमंत्री राजस्थान भजनलाल के निर्देशानुसार राज्य में संगठित अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण एवं अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के लिए राज्य स्तर पर 16 दिसम्बर, 2023 को एक विशेष कार्यदल एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स का गठन किया गया था।

एडीजी एमएन के निर्देशन व उप महानिरीक्षक योगेश यादव के नेतृत्व में एजीटीएफ टीम के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सर्व नरोत्तम लाल वर्मा, सिद्धान्त शर्मा, पुलिस निरीक्षक रविन्द्र प्रताप, सुनिल जांगिड़ एवं आयुक्तालय जयपुर में पुलिस निरीक्षक मनीष शर्मा व टीम द्वारा संगठित अपराधों में सक्रिय गैंग्स एवं लॉरेन्स विश्नोई तथा रोहित गोदारा गैंग के सक्रिय सदस्यों को चिन्हित कर सभी जिलों की पुलिस के साथ समन्वय करते हुए इन गैंग के सक्रिय अपराधियों, शरणदाताओं, सहानुभूति रखने वाले, सोशल मीडिया के फोलोवर्स के घरों पर लगातार सुनियोजित रेड आयोजित कर उनके आपराधिक डोजियर्स और फिंगर प्रिंट लेकर रिकॉर्ड व डाटा बेस तैयार कर प्रभावी निरोधात्मक कार्रवाई कर रही है। एमएन ने बताया कि गैंगस्टर अमरजीत विश्नोई तथा सुधा कंवर का गिरोह धनी व्यापारियों को धमकी भरे कॉल से जबरन वसूली करता है, जबरन वसूली के पैसे न मिलने पर गिरोह के सदस्य पीड़ित व्यक्ति व उसके परिवार पर गोलीबारी तक करते है। सुधा कंवर का पति अमरजीत विश्नोई रोहित गोदारा और गिरोह के अन्य सदस्यों के लिए 'डब्बा कॉल' की व्यवस्था करता था।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आंख मूंदकर बैठे हैं : डोटासरा

जयपुर/दक्षिण भारत । राजस्थान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा का आरोप है कि भजनलाल सरकार में बेटियां सुरक्षित नहीं है। कानून व्यवस्था पटरी से पूरी तरह से उतर चुकी है। उल्लेखनीय है कि फलोदी जिले के एक गांव में स्कूल जा रही नाबालिग छात्रा का कार में अपहरण करने के बाद एक युवक ने बलात्कार किया। घटना के बाद पुलिस ने दो युवकों के खिलाफ सामूहिक बलात्कार व पोक्सो की धाराओं में मामला दर्ज किया है। अब इस घटना को लेकर कांग्रेस नेता गोविंद सिंह डोटासरा ने भजनलाल सरकार पर निशाना साधा है।

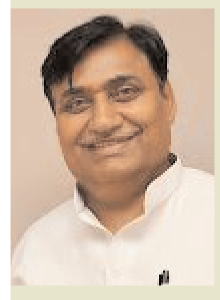

उन्होंने कहा कि मासूम बेटियों से बलात्कार की आए दिन घटनाएं और ये आंकड़ें भाजपा सरकार का असली चेहरा उजागर कर रहे हैं। साथ ही भाजपा के 'नहीं सहेगा राजस्थान' नारे की असलियत बता रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ तो शर्म करो सरकार! भाजपा की निकम्मी सरकार और कमजोर कानून व्यवस्था का परिणाम है कि आज हमारी बेटियां गांव, घर और स्कूल में भी सुरक्षित नहीं है। एक के बाद एक छोटी-छोटी बच्चियों से दरिंदगी की घटनाएं प्रदेश को शर्मसार कर रही हैं, लेकिन मुख्यमंत्री जी आंखें मूंदकर बैठे हैं। डोटासरा ने कहा कि महिला सुरक्षा का वादा करके भाजपा सत्ता में आई लेकिन पिछले 1 साल में नाबालिग बच्चियों के साथ रिकॉर्ड अपराध और दरिंदगी की घटनाएं हुई हैं। उन्होंने बताया कि साल 2024 में प्रदेश की 1610 नाबालिग बच्चियों से दुष्कर्म हुआ है, जो पिछली कांग्रेस सरकार के समय 2023 की तुलना में 3.34% और 2022 की तुलना में 10.2% अधिक हैं।

गरीब परिवार में जन्म लेने के बावजूद मोदी ने कभी कोई नकारात्मकता नहीं रखी : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वडनगर(गुजरात)/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि गरीब परिवार में जन्म लेने के बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कभी कोई नकारात्मकता नहीं रखी और अपनी गरीबी को जरूरतमंदों के प्रति करुणा में बदल दिया तथा लोगों के कल्याण के लिए अथक कार्य किए हैं।

शाह ने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी ने करोड़ों गरीब लोगों को आवास, शौचालय, पानी, गैस और बिजली कनेक्शन, सस्ती कीमतों पर दवाइयां और मुफ्त राशन जैसी विभिन्न सुविधाएं प्रदान कर उनके जीवन को बदल दिया। गुजरात के दौरे पर आए शाह, मेहसाणा जिले में मोदी के गृहनगर वडनगर में तीन प्रमुख परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे। इन परियोजनाओं में एक पुनर्विकसित स्कूल भी शामिल है, जहां मोदी ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की थी। वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा, ''मनोविज्ञान में यह पढ़ाया जाता है कि जिस बच्चे का बचपन गरीबी और अभाव में बीता है, वह नकारात्मकता से प्रेरित होता है। ऐसे बच्चों में विनाशकारी सोच भी विकसित होता है और वे बदले की भावना के साथ बड़े होते हैं। लेकिन, चाय बेचने वाले के एक परिवार में पैदा हुए मोदीजी ने अपनी गरीबी को जरूरतमंद लोगों के प्रति करुणा में बदल दिया।''

शाह ने कहा, ''जब उस गरीब बच्चे ने राज्य (मुख्यमंत्री के रूप में गुजरात) और फिर देश की बागडोर संभाली, तो उसके मन में कभी कोई नकारात्मकता नहीं आई। उन्होंने पूरे देश में गरीबों के कल्याण के लिए काम किया, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि किसी अन्य बच्चे को उस तरह की गरीबी का सामना न करना पड़े, जिसका उन्होंने सामना किया।''

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जीवन के शुरुआती वर्षों में प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करने के बावजूद, केवल ईश्वरीय कृपा वाला और प्रतिभाशाली बच्चा ही किसी भी नकारात्मकता को मन में रखे बिना पूरे समाज का कल्याण करने के बारे में सोच सकता है।

बंगाल पुलिस पर हमला हुआ तो चार गुना ताकत से जवाब देंगे : डीजीपी

सिलीगुड़ी/भाषा। पश्चिम बंगाल के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कुमार ने उत्तर दिनाजपुर में दो पुलिसकर्मियों पर हमले के बाद कड़ी चेतावनी जारी करते हुए बृहस्पतिवार को कहा, अगर कोई पुलिस पर गोली चलाएगा तो हम चार गुना ताकत से जवाब देंगे। यह घटना बुधवार को गोलपोखर के पांजीपारा के पास हुई थी, जब दो विचाराधीन कैदियों ने उन्हें जेल वैन में इस्लामपुर अदालत से रायगंज केंद्रीय सुधार गृह ले जा रहे पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया, उनकी सर्विस रिवॉल्वर छीन ली और गोलीबारी करते हुए फरार हो गए। घटना में घायल सहायक उप-निरीक्षक देबेन बैश्य और कांस्टेबल नीलकंठ सरकार का सिलीगुड़ी के माटीगारा इलाके में एक निजी नर्सिंग होम में इलाज किया जा रहा है।

डीजीपी ने अस्पताल पहुंचकर घायल पुलिस कर्मियों से मुलाकात की और उत्तर बंगाल के महानिरीक्षक (आईजी), सिलीगुड़ी के पुलिस आयुक्त और विभिन्न जिलों के पुलिस अधीक्षक (एसपी) सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ बंद कमरे में बैठक की। बैठक के बाद उन्होंने हमले वाली जगह का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। कुमार ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, अगर कोई पुलिस पर गोली चलाता है तो हम चार गुना ताकत से जवाबी कार्रवाई करने की क्षमता रखते हैं। हमें ऐसी स्थितियों से निपटने के लिए प्रशिक्षित किया है।

प्रशांत किशोर ने आमरण अनशन समाप्त किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। जनसुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की 70वीं संयुक्त प्रतियोगी प्रारंभिक परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर अपना 'आमरण अनशन' 14 दिनों बाद बुधवार को समाप्त कर दिया। परीक्षा 13 दिसंबर को आयोजित की गई थी।

पूर्व राजनीतिक रणनीतिकार किशोर (47) ने हालांकि यह भी कहा कि बीपीएससी अभ्यर्थियों एवं राज्य के युवाओं के प्रति राज्य सरकार के 'अधिनायकवादी' रवैये के खिलाफ उनका 'सत्याग्रह' जारी रहेगा। किशोर ने कहा, 13 दिसंबर को आयोजित बीपीएससी की 70वीं सीसीई परीक्षा को रद्द करने की मांग करने वाले मामले की आज (बृहस्पतिवार) पटना उच्च न्यायालय में सुनवाई हो रही है। यह महज संयोग है कि मैं अपना आमरण अनशन समाप्त कर रहा हूं और आज ही पटना उच्च न्यायालय में मामले की सुनवाई भी हो रही है। उन्होंने कहा, हमें पूरी उम्मीद है कि बीपीएससी अभ्यर्थियों को पटना उच्च न्यायालय से न्याय मिलेगा। अगर उन्हें उच्च न्यायालय से न्याय नहीं मिला तो हम उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे।

किशोर ने पटना स्थित पार्टी के कैंप कार्यालय में आमरण अनशन समाप्त करने की घोषणा करने से पहले गंगा नदी में डुबकी लगाई और पूजा की। किशोर को पार्टी कार्यकर्ताओं ने फलों का रस पिलाकर अनशन समाप्त कराया। पार्टी ने पटना में गंगा नदी के किनारे एलसीटी घाट पर अपना कैंप कार्यालय बनाया है। किशोर ने कहा, अब मेरा सत्याग्रह यहां जनसुराज पार्टी कार्यालय से जारी रहेगा। उन्होंने कहा, हम इसे (कैंप कार्यालय) 'बिहार सत्याग्रह आश्रम' कहते हैं। हम इस वर्ष 11 मार्च तक इस आश्रम में कम से कम एक लाख छात्र-छात्राओं को प्रशिक्षित करेंगे। ये प्रशिक्षित छात्र समाज के सामाजिक रूप से कमजोर वर्गों और युवाओं के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ लोगों में जागरूकता पैदा करेंगे।

संभल में बिजली चोरी के 1,400 से अधिक मामले दर्ज, मस्जिदों और मदरसों पर भी आरोप

संभल (उप्र)/भाषा। संभल में शाही जामा मस्जिद में अदालत के आदेश पर 24 नवंबर, 2024 को किए गए सर्वेक्षण के दौरान हुई हिंसा के बाद से जिले में बिजली चोरी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई है, और 1,400 से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं।

अधीक्षण अभियंता विनोद कुमार ने पत्रकारों को यह जानकारी देते हुए बृहस्पतिवार को बताया ''हमने संभल में अब तक बिजली चोरी के 1,400 से अधिक मामले दर्ज किए हैं, जिनमें 16 मस्जिदों और 2 मदरसों के खिलाफ आरोप शामिल हैं।''

कुमार ने कहा, ''इन मामलों में 11 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया गया है और अब तक लगभग 20 लाख रुपए वसूल किए जा चुके हैं।'' उन्होंने बताया, ''इस अभियान की शुरुआत के बाद, 22 मस्जिदों और एक चर्च से नए बिजली कनेक्शन के लिए आवेदन प्राप्त हुए हैं। हमारे निरीक्षण के दौरान, हमने असामान्य लोड पैटर्न देखा – सुबह-सुबह फीडरों से लोड कम हो गया, लेकिन रात 10 बजे से सुबह 4 बजे के बीच लोड बढ़ गया। इसके कारण हमें प्रमुख स्थानों की पहचान करनी पड़ी और रात में जांच करनी पड़ी। अभी दो दिन पहले ही, हमने बिजली चोरी के 42 और मामले दर्ज किए हैं।''

त्रिपुरा में गत साल अपराधों में भारी कमी आई : मुख्यमंत्री साहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि राज्य में पिछले वर्ष अपराधों में भारी गिरावट दर्ज की गई और विशेष रूप से महिलाओं के खिलाफ अपराधों में 55 प्रतिशत की कमी आई।

साहा ने पुलिस सप्ताह 2025 समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि कानून और व्यवस्था बनाए रखना उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, ''2023 की तुलना में 2024 में संपत्ति के खिलाफ अपराधों में 45 प्रतिशत की कमी आई है, शरीरिक उत्पीड़न के अपराधों में 38 प्रतिशत की कमी आई है, हमलों से संबंधित अपराधों में 37 प्रतिशत की कमी आई है और महिलाओं के खिलाफ अपराधों में 55 प्रतिशत की कमी आई है।'' उन्होंने कहा, ''ये आंकड़े राज्य की समग्र कानून एवं व्यवस्था की स्थिति की सच्ची तस्वीर प्रस्तुत करते हैं।'' मुख्यमंत्री ने राज्य भर में नशा विरोधी अभियान सफलतापूर्वक चलाने के लिए पुलिस और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों की सराहना की। उन्होंने कहा, ''पिछले तीन वर्षों के दौरान राज्य में दर्ज 1,665 एनडीपीएस (स्वापक औषधि और मन प्रभावी पदार्थ अधिनियम) मामलों में कुल 2,697 लोगों को गिरफ्तार किया गया। सरकार राज्य को नशा मुक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।'' साहा ने कहा कि राज्य ने 2024 में नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (एनएलएफटी) और ऑल त्रिपुरा टाइगर फोर्स (एटीटीएफ) के 1,176 विद्रोहियों के आत्मसमर्पण के साथ दशकों पुराने उग्रवाद को सफलतापूर्वक समाप्त कर दिया है। उन्होंने कहा, ''इससे पूर्वोत्तर राज्य उग्रवाद मुक्त हो गया है।''

भूमि-संबंधी कार्यों को सेवा के अधिकार कानून के अंतर्गत लाएं अधिकारी : दीपक बिरुआ

रांची/भाषा। झारखंड के राजस्व मंत्री दीपक बिरुआ ने बृहस्पतिवार को संबंधित अधिकारियों से कहा कि वे दाखिल-खारिज समेत भूमि संबंधी कार्यों को सेवा के अधिकार कानून के तहत लाएं, ताकि ये सेवाएं समय पर प्रदान की जा सकें। उन्होंने जनता की सुविधा तथा राजस्व संग्रहण में सुधार के लिए भूमि संबंधी सेवाओं को सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

राज्य के भूमि एवं राजस्व मंत्री बिरुआ परियोजना भवन में स्थित अपने कार्यालय में सभी प्रमंडलीय आयुक्तों और विभागीय सचिव के साथ ऑनलाइन बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि फिलहाल लोगों को भूमि रसीद प्राप्त करने में असुविधा होती है और उन्हें अक्सर अदालतों व कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, बिरुआ ने कहा, ''इस समस्या से निपटने के लिए लोगों को जल्द ही बार कोड प्रणाली की सुविधा दी जाएगी, जिससे निवासी सीधे अपने मोबाइल फोन के माध्यम से भूमि रसीद प्राप्त कर सकेंगे। इससे लोगों के कई स्थानों पर जाने की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी।'' बैठक के दौरान चाईबासा के आयुक्त ने जमशेदपुर जिले की कंपनियों से 2000 करोड़ रुपए के बकाये की वसूली के संबंध में प्रस्ताव रखा।

बिरुआ ने इस मुद्दे पर संज्ञान लेते हुए कहा कि यदि ऐसे कई मामलों का समाधान हो जाए तो राज्य के राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है।

मणिपुर में शांति बहाल करने में राज्य के लोग हमारी मदद करें : सिंह

मणिपुर में शांति बहाल करने में राज्य के लोग हमारी मदद करें : सिंह

इंफाल/भाषा। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने बृहस्पतिवार को राज्य के लोगों से उनकी सरकार को शांति बहाल करने में मदद करने की अपील की और कहा कि सभी मुख्य मुद्दों पर राजनीतिक एवं कूटनीतिक तरीके से चर्चा की जा सकती है। सिंह ने कहा कि संघर्ष से मुद्दों को सुलझाने में मदद नहीं मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ''हमारी ओर से भी गलती हुई है। हम दूसरों से सलाह लेकर काम कर रहे हैं। राज्य में जो हो रहा है वह अच्छा नहीं है। हालांकि, कई लोगों के सहयोग और प्रयासों से, सामान्य स्थिति लगभग बहाल हो गई है।''

मणिपुर में मई, 2023 से जातीय हिंसा में 250 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। उन्होंने कहा, ''हमें उम्मीद है कि जल्द ही पूरी तरह सामान्य स्थिति बहाल हो जाएगी, इसके लिए हम ईश्वर से प्रार्थना करेंगे। हमें शांति बहाल करने की कोशिश करनी चाहिए। हम सभी मणिपुरी हैं। हम सभी भारतीय हैं।''

फॉर्म हासिल करने के लिए घरेलू क्रिकेट खेलना सबसे अच्छा तरीका : युवराज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के पूर्व बल्लेबाज युवराज सिंह का मानना है कि फॉर्म से जूझ रहे खिलाड़ी को राष्ट्रीय टीम में अपने कद की परवाह किए बिना हमेशा घरेलू क्रिकेट में खेलना चाहिए। विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे स्टार खराब फॉर्म में हैं जिससे इस बात पर बहस चल रही है कि उन्हें रणजी ट्रॉफी मैचों में खेलना चाहिए या नहीं।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारत को ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा जिससे रोहित और कोहली के लाल गेंद की फॉर्म हासिल करने के लिए रणजी ट्रॉफी में खेलने की बात चल रही है। दोनों बल्लेबाज पांच टेस्ट मैचों के दौरान रन बनाने के लिए संघर्ष करते दिखे, विशेषकर रोहित, जिन्होंने सिडनी में अंतिम टेस्ट के लिए खुद नहीं खेलने का फैसला किया। 'सेलिब्रिटी क्रिकेट लीग' के लांच कार्यक्रम के दौरान युवराज ने कहा, ''घरेलू क्रिकेट महत्वपूर्ण है। मैंने हमेशा महसूस किया है कि अगर आपके पास समय है और अगर आप अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं तो आपको निश्चित रूप से घरेलू क्रिकेट खेलना चाहिए। '' उन्होंने कहा, ''यह अभ्यास करने और मैच खेलने का सबसे अच्छा तरीका है। मुझे लगता है कि अगर आपके पास समय है और आप चोटिल नहीं हैं तो घरेलू क्रिकेट बहुत महत्वपूर्ण है। '' सुनील गावस्कर, रवि शास्त्री और यहां तक कि भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भी भारत के लगातार टेस्ट शृंखला गंवाने के बाद घरेलू क्रिकेट के महत्व के बारे में बात की है।

क्या राहुल गांधी को हिंडनबर्ग की बंद हो चुकी 'दुकान' का 'ठेका' मिल गया है : भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बृहस्पतिवार को नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर 'शहरी नक्सलियों' की सोच की 'पूरी तरह गिरफ्त' में होने का आरोप लगाया और उनसे सवाल किया कि क्या अब उन्हें हिंडनबर्ग रिसर्च की बंद हो चुकी 'दुकान' का 'ठेका' मिल गया है? भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने राहुल गांधी की उस टिप्पणी के लिए भी आलोचना की जिसमें उन्होंने कहा था कि कांग्रेस केवल भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से ही नहीं बल्कि 'इंडियन स्टेट' (भारतीय राज व्यवस्था) से भी लड़ रही है।

प्रसाद ने दावा किया कि 'इंडियन स्टेट' एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में भारत के संवैधानिक पहचान का प्रतिनिधित्व करता है। प्रसाद ने आरएसएस की एक राष्ट्रवादी संगठन के रूप में प्रशंसा करते हुए कहा कि यह समाज की भलाई और देशभक्ति फैलाने के लिए काम कर रहा है। उन्होंने राहुल से चिंतन करने को कहा कि उनकी पार्टी कहां पहुंच गई है और आरएसएस एवं भाजपा क्या बन गए हैं।

इतिहास को विकृत करने की कोशिश : ममता ने सच्ची स्वतंत्रता को लेकर भागवत की टिप्पणी की निंदा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत की इस टिप्पणी की बृहस्पतिवार को निंदा की कि सदियों तक परचक्र झेलने वाले भारत को सच्ची स्वतंत्रता अयोध्या में राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के दिन ही मिली थी।

ममता ने भागवत की टिप्पणी को इतिहास को विकृत करने की कोशिश करार दिया। भागवत ने सोमवार को कहा कि अयोध्या में भगवान राम के मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा की तिथि 'प्रतिष्ठा द्वादशी' के रूप में मनाई जानी चाहिए, क्योंकि सदियों से परचक्र (दुश्मन का आक्रमण) झेलने वाले भारत की 'सच्ची स्वतंत्रता' इस दिन प्रतिष्ठित हुई थी। ममता ने राज्य सचिवालय 'नबन्ना' में कहा, यह राष्ट्र-विरोधी है। मैं इसकी कड़ी निंदा करती हूं। यह एक खतरनाक टिप्पणी है, इसे वापस लिया जाना चाहिए। यह इतिहास को विकृत करने का प्रयास है। हम अपनी स्वतंत्रता को अक्षुण्ण रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम भारत के लिए अपने प्राण न्योछावर करने के लिए तैयार हैं, लेकिन हम इसे बर्दाश्त करने के लिए तैयार नहीं हैं।

बंगाल: ईडी ने छह हजार करोड़ रु. के बैंक धोखाधड़ी मामले में कोलकाता, हावड़ा में छापे मारे

कोलकाता/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छह हजार करोड़ रुपए के बैंक धोखाधड़ी मामले में बृहस्पतिवार को कोलकाता और हावड़ा के तीन अलग-अलग स्थानों पर एक साथ छापे मारे। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि एक व्यवसायी के आवास और कार्यालय परिसरों में तलाशी ली गई। अधिकारी ने कहा, ''मामले की जांच के दौरान हमें कथित तौर पर अपराध में शामिल कई फर्जी कंपनियों और एजेंसियों का पता लगा। यह व्यक्ति ऐसी ही एक एजेंसी का निदेशक है और हम धोखाधड़ी के संबंध एवं धन की हेराफेरी का पता लगाने के लिए तलाशी कर रहे हैं।'' दिसंबर में ईडी ने इस मामले में कॉनकास्ट स्टील एंड पावर के प्रवर्तक संजय सुरेका को गिरफ्तार किया था।

उत्तर प्रदेशः आगरा में ब्रेड फैक्टरी में विस्फोट, 13 कर्मचारी घायल

आगरा/भाषा। उत्तर प्रदेश के आगरा जिले में एक ब्रेड फैक्टरी के 'ओवन' में जोरदार विस्फोट हुआ, जिससे 13 कर्मचारी घायल हो गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि घटना हरीपर्वत क्षेत्र के ट्रांसपोर्ट नगर की मेडली ब्रेड फैक्टरी में हुई। उन्होंने बताया कि विस्फोट के बाद अफरातफरी मच गई और धमाका इतना तेज था कि आवाज काफी दूर तक सुनी गई। अधिकारी ने बताया कि फैक्टरी में ब्रेड पकाने के लिए बड़े ओवन का इस्तेमाल किया जाता है, जिसमें यह विस्फोट हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अपराह्न करीब एक बजे जब ओवन में अचानक विस्फोट हुआ, तब करीब 20 से 22 कर्मचारी वहां मौजूद थे। फैक्टरी प्रबंधक जितेंद्र ने बताया, काम सामान्य रूप से जारी था और अचानक ओवन फट गया। ओवन गैस से चलते हैं, जिसका इस्तेमाल काफी समय से किया जा रहा है।

इस वर्ष को हमारी टीम के लिए 'वनडे में सर्वश्रेष्ठ वर्ष' बनाना होगा : स्मृति मंधाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राजकोट/भाषा। स्मृति मंधाना का मानना है कि वेस्टइंडीज और आयरलैंड के खिलाफ शृंखलाओं में 3-0 से मिली जीत इस साल होने वाले 50 ओवरों के विश्व कप की तैयारी के लिए शानदार है और उनकी टीम को इस साल को वनडे क्रिकेट में अपना सर्वश्रेष्ठ साल बनाना होगा ।

महिला वनडे विश्व कप इस साल भारत में होना है और मंधाना का मानना है कि लगातार छह वनडे जीतने के बाद अब उनकी टीम को घरेलू मैदान पर खेलने का फायदा मिल सकता है । उन्होंने बीसीसीआई द्वारा साझा किए गए वीडियो में कहा ,'' विश्व कप वाले साल में 3 . 0 से मिली जीत खास है । हमें इस लय को कायम रखते हुए इस साल को वनडे में अपना सर्वश्रेष्ठ साल बनाना होगा ।''

मंधाना (135) और प्रतिका रावल (154) के बीच पहले विकेटके लिए 233 रन की साझेदारी की मदद से भारत ने तीसरे वनडे में अपना सर्वोच्च स्कोर पांच विकेट पर 435 रन बनाकर 304 रन से जीत दर्ज की ।

मंधाना ने कहा ,''मैं खुलकर बल्लेबाजी करना चाहती थी । मैने डगआउट में भी कहा था कि मैं अपने शॉट्स खेलूंगी क्योंकि हर बार ऐसा खेलने का मौका नहीं मिल पाता ।'

वहीं रावल ने स्वीकार किया कि शतक के करीब पहुंचने पर वह थोड़ी धीमी पड़ गई थी लेकिन शतक पूरा होते ही तेजी से बल्लेबाजी की । उन्होंने कहा ,'' मैं हमेशा रनों का अंबार लगाना चाहती हूं और देश के लिए खेलते समय ऐसा कर पाना गर्व की बात है । 70 रन बनाने के बाद मैं थोड़ा संभलकर खेल रही थी लेकिन शतक पूरा होते ही मैने खुलकर खेलना शुरू किया ।''

अंतरराष्ट्रीय मास्टर्स लीग में भारत की अगुआई करेंगे सचिन तेंदुलकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर अंतरराष्ट्रीय मास्टर्स लीग में भारतीय टीम की अगुआई करेंगे। इस लीग का आयोजन 22 फरवरी से 16 मार्च तक भारत में किया जाएगा। टूर्नामेंट में भाग लेने वाली अन्य टीम श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज हैं। पूर्व महान भारतीय बल्लेबाज सुनील गावस्कर 'वेटरंस' खिलाड़ियों के इस टूर्नामेंट के आयुक्त हैं।

नवी मुंबई का डीवाई पाटिल स्टेडियम, राजकोट का निरंजन शाह स्टेडियम और रायपुर का शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम अंतरराष्ट्रीय मास्टर्स लीग के मैचों की मेजबानी करेंगे। वेस्टइंडीज की कमान महान बल्लेबाज ब्रायन लारा में हाथों में होगी जबकि श्रीलंका की टीम की अगुआई दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज कुमार संगकारा करेंगे। सर्वकालिक महान ऑलराउंडर जाक कैलिस द. अफ्रीका की कप्तानी करेंगे जबकि इयोन मोर्गन और शेन वॉटसन क्रमशः ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के कप्तान होंगे। लीग के आयुक्त गावस्कर ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा, ''अंतरराष्ट्रीय मास्टर्स लीग क्रिकेट को गौरवांवित करती है क्योंकि यह खेल के कुछ सर्वकालिक शीर्ष खिलाड़ियों को एक साथ लाती है।''

सुविचार

अगर तुम अपने आदर्श पर ध्यान केंद्रित करोगे तो उसके गुणों को तुम खुद में पैदा होता देखोगे। यदि तुम दिन और रात ईश्वर का ही चिंतन करते रहोगे तो तुम भी ईश्वर के समान ही बन जाओगे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रलोभन और धर्मांतरण: समाधान क्या है?

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने प्रलोभन के जरिए धर्मांतरण कराए जाने की घटनाओं पर जो चिंता जताई है, वह स्वाभाविक है। यह एक गंभीर समस्या है, जिसकी ओर हमें ध्यान देने की जरूरत है। भारत में सदियों से प्रलोभन के जरिए धर्मांतरण हो रहा है। इसके भयावह नतीजे देखे गए हैं। पीड़ित, वंचित और जरूरतमंद लोग ऐसे गिरोहों के जाल में आसानी से फंस जाते हैं, जिन्होंने धर्मांतरण को धंधा बना रखा है। यूं तो भारत में सबको अपने धर्म का पालन और प्रचार करने की स्वतंत्रता है। अगर कोई व्यक्ति स्वेच्छा से धर्म परिवर्तन करना चाहता है तो कर सकता है। समस्या तब पैदा होती है, जब किसी को बहला-फुसलाकर, लालच देकर, अनिष्ट का भय दिखाकर, दूसरों के प्रति मन में घृणा भरकर धर्मांतरण करवा दिया जाए। इसमें विदेशी संगठन लिप्त पाए गए हैं, जो इस तरह काम करते हैं, जिससे जल्द ही न तो उनके असल मकसद का पता चलता है और न ही सरकारें उनके खिलाफ तुरंत कार्रवाई कर पाती हैं। प्राय: ऐसे संगठन दलील देते हैं कि 'हम तो भारत के जरूरतमंद लोगों की मदद कर रहे हैं ... अगर वे हमारे कार्यों से प्रभावित होकर धर्मांतरण कर लेते हैं तो उन्हें इसकी स्वतंत्रता होनी चाहिए!' दो दशक पहले कुछ विदेशी रेडियो स्टेशन बहुत योजनाबद्ध ढंग से धर्मांतरण की जमीन तैयार कर रहे थे। यूरोप के एक देश से चलने वाला रेडियो स्टेशन, जो बाद में सोशल मीडिया पर स्थानांतरित हो गया, मुख्यत: पंजाब को केंद्र में रखकर खूब कार्यक्रम चलाता था। वह पंजाबी गानों के साथ हिंदी में 'प्रचार' करता था। शाम को जब सब लोग घर में होते हैं, तब उसकी सभा शुरू होती और देर रात तक चलती। अगले दिन सुबह भी उस पर गीत आते रहते थे। उसमें दावा किया जाता कि हमारी शरण में आने से फलां व्यक्ति बीमारी से ठीक हो गया, किसी को कनाडा का वीजा मिल गया, किसी को जीवनसाथी मिल गया!

उस रेडियो स्टेशन समेत ऐसी विचारधारा वाले अन्य संगठन मुफ्त किताबें उपलब्ध करा देते हैं। प्राय: किशोर और नौजवान ऐसी चीजों की ओर जल्दी आकर्षित होते हैं। लंबे अरसे तक इनके प्रभाव में रहने से व्यक्ति की विचारधारा बदल जाती है। उसे अपने पूर्वजों की आस्था और मान्यताओं में खोट नजर आने लगता है। वहीं, जो बातें उसे आकर्षित करती हैं, उनमें सबकुछ अच्छा लगने लगता है। ऐसा भी देखा गया है कि कुछ लोग, जिन्होंने अभी धर्मांतरण तो नहीं किया है, लेकिन उससे काफी हद तक प्रभावित हो चुके हैं, वे अपनी पूर्व आस्था से जुड़े त्योहार मनाना बंद कर देते हैं या उनमें रुचि खत्म हो जाती है। वे अभिवादन के तरीके तक बदल लेते हैं। उनके घरों में विवाद होने लगते हैं। वे कई बार माता-पिता से बहुत तीखी बहस करते हैं, उन्हें गलत ठहराते हैं। प्रलोभन देकर धर्मांतरण कराने में लिप्त संगठनों / व्यक्तियों पर गंभीर आरोप लग चुके हैं। उनके कुछ लोग तो जेल जा चुके हैं। उनके द्वारा चमत्कारी ढंग से बीमारी का इलाज करने संबंधी दावों पर सवाल उठते रहे हैं। वैज्ञानिक ऐसे तरीकों को खारिज करते हैं, लेकिन इन पर विश्वास करने वालों की कमी नहीं है। उन्हें लगता है कि वे इनकी शरण में आकर पूरी तरह स्वस्थ हो जाएंगे। इस अंधविश्वास के जाल में फंसने वाले लोग बाद में किसी गंभीर स्वास्थ्य समस्या के शिकार हो सकते हैं। अब सवाल है- समाधान क्या है? जवाब है- सरकारी स्कूलों और अस्पतालों की हालत सुधारें, समाज में सद्भाव एवं एकता पैदा करें, फिजूलखर्ची और दिखावेबाजी को बंद करें, उस धन से समाज के पीड़ित, वंचित और जरूरतमंद लोगों का उत्थान करें। सरकारों को ऐसे संगठनों / लोगों पर कड़ी नजर रखनी चाहिए, जो प्रलोभन के जरिए धर्मांतरण कराते हैं। जब सख्त कार्रवाई शुरू हो जाएगी तो धर्मांतरण का सिलसिला अपनेआप बंद हो जाएगा।

ट्वीटर टॉक

जल संसाधनों की सीमितता को देखते हुए, वर्षा जल को व्यर्थ बहने से रोकना और संरक्षित करना आवश्यक है। इसी दिशा में 'कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान' संचालित किया जा रहा है, जल संचयन के कार्यों को सशक्त बनाने के इस अभियान में प्रवासी राजस्थानियों का भी अहम सहयोग प्राप्त हो रहा है।

-भजनलाल शर्मा

राजस्थान में कानून व्यवस्था की स्थिति बदतर होती जा रही है। महिलाएं इस उत्पीड़न से सबसे ज्यादा प्रताड़ित हैं। चाहे बाड़मेर में दलित के साथ बर्बर मारपीट का प्रकरण हो या जोधपुर में बालिका के साथ गैंगरेप का प्रदेश में बढ़ते अपराधों से आमजन में भयव्याप्त है।

-अशोक गहलोत

गुजरात का महत्त्वपूर्ण पुरातात्विक शहर वडनगर देश की वैभवशाली संस्कृति का प्रमुख केंद्र रहा है। मोदी सरकार इस ऐतिहासिक शहर का निरंतर विकास कर रही है। इस संग्रहालय में 2,500 वर्षों से भी पुराने समृद्ध इतिहास को उत्खनन से प्राप्त प्रमाणों के साथ प्रदर्शित किया गया है।

-अमित शाह

प्रेरक प्रसंग

सुलझी राह

आस्ट्रिया के महान मनोवैज्ञानिक डॉ. सिगमंड फ्रायड अपने घर पर बने बगीचे में टहल रहे थे। तब उनका एक परिचित उनसे मिलने आया, जो अत्यंत विचलित लग रहा था। सिगमंड फ्रायड ने उनके हाव-भाव देखकर आने का कारण पूछा। उसने बताया कि वह जितने भी काम करता है वे सभी उलझ कर रह जाते हैं, कोई भी कार्य पूरा नहीं होता तो वह क्या करे? सिगमंड फ्रायड उन्हें अपने साथ घर के अंदर ले गए, जहां उनकी पत्नी कपड़ों पर प्रेस कर रही थी।

उन्होंने वह दृश्य समझाते हुए कहा कि जिस प्रकार ये एक-एक कपड़े को उठाकर प्रेस से उनकी सलवटों को सुलझा रही हैं और कपड़े सुंदर व पहनने लायक हो रहे हैं उसी प्रकार तुम्हें भी कार्य को एक-एक करके पूरा करना चाहिए ताकि एक समय में एक ही कार्य पर ध्यान लग सके और तुम्हारे कार्य पूर्ण हो सकें। सिगमंड फ्रायड की प्रेरणा से वह परिचित व्यक्ति खुशी-खुशी वहां से अपने घर लौट गया।

सामयिक

पिछले दिनों आस्ट्रेलिया में सोलह साल तक के बच्चों के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल प्रतिबंधित करने का विधेयक पास किया गया है। आस्ट्रेलियाई प्रधान मंत्री एंथनी अल्बनीज के इस कदम को व्यापक जन समर्थन प्राप्त हो रहा है। भारतीय अभिभावक भी इस कदम का जैसा स्वागत कर रहे हैं। उसके पीछे देश में सोशल मीडिया से बच्चों के कार्य-व्यवहार में हो रहे नकारात्मक परिवर्तन का ही असर है। शिक्षाशास्त्री और समाज विज्ञानी काफी समय से इस दिशा में सकारात्मक कदम उठाने की आवाज उठाते रहे हैं। निश्चय ही अब पानी सिर के ऊपर पहुँच जाने की स्थिति बनने लगी है।

ऑनलाइन गतिविधियों में उलझे बच्चे

दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'
मोबाइल : 7379100261

आजकल जब हम ऑनलाइन की बात करते हैं, तो हमारा आशय इंटरनेट से जुड़े सोशल मीडिया से होता है। आज की तारीख में यह अत्यन्त कम समय में लोकप्रिय हुआ एक सशक्त माध्यम है। सन 1983 में इंटरनेट की खोज हुई और सन 1991 में वर्ल्ड वाइड वेब को आम जनता के लिए खोल दिया गया। सन 1995 में यह भारत में भी प्रयोग में लाया जाने लगा। इंटरनेट के आने से ज्ञान-विज्ञान के जिज्ञासुओं का बड़ा लाभ हुआ। इन दिनों आनलाइन शॉपिंग, चिकित्सकीय सलाह, भुगतान, टिकिट, शिक्षा, आवेदन, एफआइआर, खेल-मनोरंजन, यहाँ तक कि आन लाइन पूजा-प्रसाद की भी व्यवस्था हो चुकी है। यहाँ फ़ेसबुक, व्हाटसएप, स्नैपचैट, इंस्टाग्राम, एक्स, यूट्यूब जैसे कई प्लेटफार्म हैं, जहां बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक देर-देर तक जूझते रहते हैं।

स्मार्ट फोन आने के बाद आनलाइन के जरिए जिन्दगी बहुत सरल हो गई है और लोगों के जीवन की रफ्तार कई गुना बढ़ चुकी है। बीते एक दशक में मोबाइल ने हमारी जिन्दगी में अभूतपूर्व परिवर्तन ला दिया है। किन्तु इसके कारण हमारे सामने कई चुनौतियाँ भी आ खड़ी हुई हैं। खासकर अबोध और अवयस्क बच्चों के जीवन में सोशल मीडिया की दखल ने बड़ा नकारात्मक असर डाला है। सन 2020 और 2021 के सालों में कोरोना महामारी के बीच सबसे अधिक विपरीत असर किसी पर पड़ा है, तो वह स्कूली शिक्षा है। महामारी के भीषण प्रकोप वाले दिनों में बचपन की गतिविधियां और शिक्षा व्यवस्था काफी हद तक प्रभावित हुई। मोबाइल से दूर रहने और खेलकूद में व्यस्त रहने वाले बच्चों को मजबूरन घर के अन्दर बैठना पड़ा।

इन्हीं दिनों उन्हें मोबाइल पर ऑनलाइन पढ़ाई और वीडियो गेम खेलने की सुविधा मिल गई। महामारी कम समय की होती, तो शायद उनके जीवन और व्यवहार में मोबाइल इतनी गहरी पैठ न बना पाता। किन्तु महीनों तक चलने वाले लॉकडाउन के कारण बच्चों को मोबाइल की ऐसी लत लग गयी कि वह अब पुरानी जीवन शैली में लौटना ही नहीं चाहते हैं। यहाँ तक कि छुट्टियों में भी समय व्यतीत करने के लिए खेल के मैदान में जाने के बजाय वे मोबाइल में गेम खेलना और वीडियो देखना पसंद करते हैं। पहले बच्चों को कोई जानकारी चाहिए होती थी, तो वह किताबों में खोजते थे और यह सूचना हमारी स्मृति का हिस्सा बन जाती थी, लेकिन अब एक क्षण के अन्दर यह बच्चों को मोबाइल के गूगल में मिल जाती है। वह इस जानकारी का तात्कालिक उपयोग करके भूल जाते हैं। मोबाइल सदैव उनको उपलब्ध रहता है, इसलिए वह इसे याद रखने की जरूरत ही नहीं समझते हैं। इससे बच्चों की स्मृति पर बहुत बुरा असर हो रहा है। बच्चों में कल्पना, चिन्तन, तर्क और कार्य-कारण सम्बन्ध की अवधारणा के निर्माण में भी यह बाधक बन चुका है। मोबाइल के दीवानों की संवेदना का धरातल भी उजाड़ होने लगा है। अनिद्रा, अवसाद, चिड़चिड़ापन और मानसिक अस्थिरता भी इन बच्चों में बढ़ता जा रहा है।

वास्तव में सोशल मीडिया और ऑनलाइन गेमिंग के अत्यधिक उपयोग से बच्चों और किशोरों में न केवल मानसिक स्वास्थ्य, बल्कि शारीरिक व सामाजिक समस्याएं भी उत्पन्न हो रही हैं। एक आँकड़े के अनुसार, देश में उनतालीस करोड़ अस्सी लाख बच्चे सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते हैं। एक राष्ट्रीय सर्वेक्षण का निष्कर्ष है कि नौ से सत्रह वर्ष की आयु के साठ प्रतिशत बच्चे आनलाइन गतिविधियों में तीन घंटे से अधिक समय व्यतीत करते हैं। यह बच्चे समाज स्वीकृत व्यवहार और अलग-अलग व्यक्तियों व समुदाय के बीच समायोजन के मामले में फिसड्डी सिद्ध हो रहे हैं। इनमें आभासी संबंधों के समक्ष वास्तविक संबंधों को कमतर समझने की प्रवृति भी परिलक्षित होने लगी है। ऑनलाइन धर्मांधता और कट्टरपन भी फैलाया जा रहा है। कई बार डिजिटल दुनिया में रमे बच्चे साइबर ठगी की चपेट में आते देखे जाते हैं। यह धीरे-धीरे उद्दंड, नृशंस, आक्रामक और असामाजिक होने लगते हैं। बच्चों में हिंसा और अपराध का बीजारोपण एक नई सामाजिक आपदा बन रही है।

पिछले दिनों आस्ट्रेलिया में सोलह साल तक के बच्चों के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल प्रतिबंधित करने का विधेयक पास किया गया है। आस्ट्रेलियाई प्रधान मंत्री एंथनी अल्बनीज के इस कदम को व्यापक जन समर्थन प्राप्त हो रहा है। भारतीय अभिभावक भी इस कदम का जैसा स्वागत कर रहे हैं। उसके पीछे देश में सोशल मीडिया से बच्चों के कार्य-व्यवहार में हो रहे नकारात्मक परिवर्तन का ही असर है। शिक्षाशास्त्री और समाज विज्ञानी काफी समय से इस दिशा में सकारात्मक कदम उठाने की आवाज उठाते रहे हैं। निश्चय ही अब पानी सिर के ऊपर पहुँच जाने की स्थिति बनने लगी है। बदलाव की सख्त जरूरत महसूस की जा रही है। देश में वर्ष 2023 में डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट' लाया गया था, जिसके तहत नाबालिगों के लिए सोशल मीडिया अकाउंट खोलने के लिए माता-पिता अथवा अभिभावक की सहमति अनिवार्य की गई है। किन्तु यह कानून पूर्णरूपेण प्रभावी नहीं हो पाया है।

निश्चय ही स्कूल, माता-पिता और नीति-नियंता सबको तत्काल प्रभाव से इसके लिए कमर कसनी होगी। कुछ ऐसे प्रावधान बनाए ही जाने चाहिए, जिससे डिजिटल प्लेटफार्म अपने कंटेन्ट की जवाबदेही से न बच सकें। चीन, अमेरिका, फ्रांस जैसे देशों में भी सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के कानून बन चुके हैं। किन्तु यह आस्ट्रेलिया के कानून जैसे सख्त नहीं हैं।

अपने देश में भी सख्त और जवाबदेही वाले कानून की जरूरत है। अभी प्राथमिकता के स्तर पर बच्चों को आभासी दुनिया से निकल कर वास्तविक संसार में तत्काल ले आने की जरूरत है। उनको पुस्तक पढ़ने की तरफ प्रेरित किये जाने की आवश्यकता है। उन्हें रोचक परीकथाएं, विनोदपूर्ण कहानियाँ, उल्लासमयी कविताएं और वैज्ञानिक उपन्यास दिये जाने चाहिए। ऑनलाइन गूगल मीट कार्यक्रमों के जरिए उनको पौध रोपण, चित्रकारी, सुलेखन, कविता पाठ, श्लोक वाचन, कहानी लेखन और पर्यावरण जैसे विषयों के साथ जोड़ने की आवश्यकता है। छत पर पक्षियों के लिए दान-पानी रखना, फूल-पौधों की देखभाल, अपने शहर और गाँव के इतिहास की जानकारी देने का प्रयास किया जा सकता है। कुछ दिनों के लिए अभिभावक भी खुद को मोबाइल, टीवी, लैपटॉप वगैरह से दूर कर लें, तभी यह संभव हो पाएगा।

नजरिया

मेटा की माफी से सोशल मीडिया मंचों को सख्त सन्देश

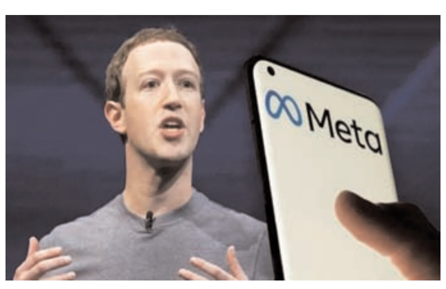

> **माफी के बाद जुकरबर्ग जैसे मालिकों को भी यह सुनिश्चित होगा कि उनके अधीन चलने वाले सोशल मीडिया मंचों पर भारत के प्रति किसी झूठ, भ्रम एवं असत्य बयानी का सिक्का न चले। क्योंकि भारत की उदारता को उसकी कमजोरी मानने की मानसिकता घातक हो सकती है। भारत को लेकर कोई गलत सूचना संचारित-प्रसारित न हो, तथ्यों की प्रामाणिकता एवं सच्चाई को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। मनगढ़ंत या झूठी सूचनाओं का प्रचार- संचार अब भारत के लिये सहनीय नहीं है।**

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

फेसबुक के लिये भारत एक संभावनाओं भरा बड़ा बाजार होने के बावजूद उसकी भारत के प्रति सोच भ्रामक, विवादास्पद एवं नकारात्मक रही है। फेसबुक और मेटा भारत के तथ्यों के साथ छेड़छाड़ और फेकन्यूज को लेकर विवादों में घिरती रही हैं। हाल ही में मेटा के सीईओ मार्क जकरबर्ग एक बार फिर भारत को लेकर दिये गलत बयान के मामले में फंस गए हैं। जुकरबर्ग ने एक पॉडकास्ट में कहा था कि कोरोना के बाद दुनिया के कई देशों में मौजूदा सरकारें गिर गईं। भारत के लोकसभा चुनाव में भी नरेन्द्र मोदी सरकार हार गई। यह जनता का सरकारों में घटता भरोसा दिखाता है। इस बयान के बाद संसद की आईटी एंड कम्युनिकेशन मामलों की स्टैंडिंग कमिटी के अध्यक्ष और भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा था कि इस गलत बयान पर कंपनी को माफी मांगनी चाहिए। वरना हमारी समिति उन्हें मानहानि का नोटिस भेजेगी। भारत सरकार की सख्त आपत्ति को देखते हुए भले ही मेटा ने माफी मांग ली हो, लेकिन मार्क भरोसे के लायक नहीं है। यह माफी जहां जरूरी थी वही अब स्वागतयोग्य भी है। लेकिन मार्क का भारत के प्रति नजरिया गैर जिम्मेदाराना, लापरवाहीपूर्ण एवं दोषपूर्ण है। ऐसी निरंकुश सोच एवं उच्छृंखल मानसिकता की बुनियाद पर संबंधों की खड़ी होने वाली ईमारत खोखली एवं विनाशकारी ही होती है।

यह वाकई हैरत की बात है कि जकरबर्ग ने भारत को भी उन देशों में शामिल कर लिया जहां पिछले साल चुनाव में सरकारों ने सत्ता गंवाई। तथ्य यह है कि भाजपा की सीटें भले कम हुई हों, लेकिन सत्तारूढ़ गठबंधन एनडीए ने बहुमत हासिल कर सरकार में वापसी की एवं सफलतापूर्वक सरकार को चला रही है। नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बने और न केवल देश में बल्कि दुनिया में भारत का परचम फहरा रहे है। इस तथ्य से जकरबर्ग कैसे अनजान हो सकते हैं? क्या वह जानबूझकर भारत सरकार के बारे में गलत सूचनाएं फैला रहे हैं? क्या यह शक्तिशाली एवं विकसित राष्ट्रों के साथ-साथ वहां की बड़ी आर्थिक शक्तियों की भारत के प्रति विरोधाभासी दुर्भावना नहीं है। कैसे मान लिया जाये कि यह गलती अनजाने में हुई है? क्या दुनिया के सबसे बड़े सोशल मीडिया मंच फेसबुक को संभालने वाली इतनी बड़ी कंपनी के मालिक से ऐसी गलती की उम्मीद की जा सकती है और ऐसी गलती उनको शोभा देती है कि वह भारत जैसे देश के चुनाव परिणाम से परिचित न हों? अगर यह गलती जुकरबर्ग से भूल या अनजाने में हुई है, तो भी यह गंभीर बात है।

मेटा इंडिया भी जुकरबर्ग की ही कंपनी है, जिसके एक आला अधिकारी ने कहा है कि अमेरिकी बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी समूह मेटा के लिए भारत एक अविश्वसनीय रूप से महत्वपूर्ण एवं संभावनाभरा खास देश बना हुआ है। मेटा अपने व्यापार को भारत में विस्तारित करने के लिये विभिन्न योजनाओं पर काम भी कर रहा है। भारत मेटा के लिए बहुत अहम देश है। फेसबुक, इंस्टाग्राम और वॉटसएप की पेरेंट कंपनी मेटा चेन्नई में रिलायंस इंडस्ट्रीज के कैंपस में भारत में अपना पहला डेटा सेंटर स्थापित कर सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मार्च 2024 में जामनगर में हुए बिजनेसमैन मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी की प्री वेडिंग फंक्शन में जुकरबर्ग शामिल हुए थे। तभी उन्होंने रिलायंस के साथ इसको लेकर एक समझौता किया था। इस तरह मेटा के लिए भारत अहम है, तो इसके मालिक को भारत का नाम बहुत संभलकर एवं सोच समझकर लेना चाहिए। वैसे भी भारत सरकार अमेरिका, यूरोपीय देशों या चीन की तरह आक्रामक एवं उग्र नहीं है। आक्रामक देशों में तो सरकारें फेसबुक या मेटा की गलतियों पर उसे न केवल सबक सीखाती है बल्कि कई बार ऐसी गलतियों के चलते कंपनियों को भारी जुर्माना भी चुकाना पड़ता है। उन देशों की कड़ाई का ही नतीजा है कि सोशल मीडिया कंपनियां इन देशों में बहुत सजग रहती हैं, जबकि भारत के मामले में उनकी नीति बदल जाती है। भारत की उदारता का ये कंपनियां अधिकतम दुरुपयोग करना चाहती हैं। भारत को भी उदारता, सरलता एवं लचीलेपन की जगह कठोर एवं सख्त रवैया अपनाना चाहिए क्योंकि भारत अब दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने के साथ दुनिया में अपनी एक स्वतंत्र एवं ठोस जगह बना चुका है। जुकरबर्ग से जुड़ा यह ताजा मामला ऐसे ही लोगों के लिये एक सबक एवं चेतावनी बनना चाहिए। भारत सरकार को चाहिए कि वह ऐसी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के मालिकों और अधिकारियों को चेतावनी के शब्दों में सचेत कर दे कि वे भारत के महत्व को समझें, पर्याप्त सजग एवं सावधान रहें। भारतीयों को पता है कि साल 2019 में अमेरिका में फेडरल ट्रेड कमीशन ने उपयोगकर्ता की गोपनीयता का उल्लंघन करने के लिए फेसबुक पर पांच अरब डॉलर का जुर्माना लगाया था।

मेटा प्रमुख मार्क के भ्रामक एवं गुमराह करने वाले बयान पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भी प्रतिक्रिया दी और इसे गलत जानकारी करार देते हुए तथ्य और विश्वसनीयता बनाए रखने का आह्वान किया। मेटा के पब्लिक पॉलिसी के वाइस प्रेसिडेंट, शिवनाथ ठुकराल ने अश्विनी वैष्णव के पोस्ट पर जवाब देते हुए लिखा, मार्क जुकरबर्ग का यह कहना कि 2024 के चुनावों में कई देशों में सत्ताधारी पार्टियां फिर से नहीं चुनी गईं, कई देशों के लिए सही है, लेकिन भारत के लिए नहीं। हम इस अनजाने में हुई गलती के लिए माफी मांगते हैं। भारत मेटा के लिए बेहद महत्वपूर्ण देश है और हम इसके इनोवेशन से भरे भविष्य का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित हैं। भारत को अपना बाजार मानने वाले मेटा के लिये ऐसी भूल अनायास या जानबूझकर जैसे भी हो, होना दुर्भाग्यपूर्ण है। क्योंकि भारत जैसे सशक्त एवं ताकतवर लोकतांत्रिक देश के लिये गलत जानकारी प्रसारित करना देश की छवि को धूमिल करती है। यह तो भारत की उदारता, सहिष्णुता एवं भलमनसाहत है कि उसने ऐसी अक्षम्य गलती पर भी माफी से संतोष कर लिया, वरना भारी जुर्माना या अन्य कठोर सजा के प्रावधान हो सकते थे। फेसबुक जैसे सोशल मीडिया मंचों का इस्तेमाल सिर्फ अधिक से अधिक मुनाफा हासिल करने के मकसद से हो रहा है। लेकिन इसके लिये समाज को नुकसान पहुंचाना कैसे जायज हो सकता है? इस तरह की गैर जिम्मेदारी एवं लापरवाही खतरनाक हो सकती है और इसकी इजाजत नहीं दी जा सकती। ताजा विवाद को सरकार ने गंभीरता से लिया है, यह अच्छी बात है। लेकिन जरूरी है कि चिंता इसी मामले तक सीमित न रहे। हेट स्पीच, तथ्यों को तरोड़मरोड़ कर प्रस्तुत करना और फेक न्यूज के ऐसे अन्य मामले भी राष्ट्रीय एकता एवं राष्ट्र के अस्तित्व एवं अस्मिता के लिये गंभीर एवं चुनौतीपूर्ण है। सरकार की सख्ती जहां मेटा को ज्यादा जिम्मेदार बनाये वहीं अन्य मंचों के लिये भी सबक बने।

माफी के बाद जुकरबर्ग जैसे मालिकों को भी यह सुनिश्चित होगा कि उनके अधीन चलने वाले सोशल मीडिया मंचों पर भारत के प्रति किसी झूठ, भ्रम एवं असत्य बयानी का सिक्का न चले। क्योंकि भारत की उदारता को उसकी कमजोरी मानने की मानसिकता घातक हो सकती है। भारत को लेकर कोई गलत सूचना संचारित-प्रसारित न हो, तथ्यों की प्रामाणिकता एवं सच्चाई को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। मनगढ़ंत या झूठी सूचनाओं का प्रचार- संचार अब भारत के लिये सहनीय नहीं है। फेसबुक या अन्य सोशल मंचों पर बहुत सारी झूठी, भ्रामक, विध्वंसक या फर्जी सूचनाएं समय-समय पर घूमती रहती हैं, जिससे भारत की राष्ट्रीय एकता, साम्प्रदायिक सौहार्द, इंसानी सद्भावना आहत होती रही है। भारत के कतिपय राजनीतिक दल इसके लिये ऐसे मंचों को प्रोत्साहन भी देते हैं लेकिन इन सब स्थितियों के बावजूद भारत को मजबूती से इनके खिलाफ खड़े होकर उनको उनकी जमीन दिखाना ही चाहिए। ऐसी सख्ती ही भारत की छवि को मजबूती प्रदान करेंगी एवं तभी दुबारा ऐसा दुस्साहस करने की कोई चेष्टा नहीं करेगा।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

महाकुंभ में विदेशियों की बड़ी तादाद पर कैलाश खेर बोले, उनके लिए मुक्ति का धाम है भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर (मध्यप्रदेश)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में जारी महाकुंभ मेले में विदेशियों के बड़ी तादाद में शामिल होने पर मशहूर गायक कैलाश खेर ने बृहस्पतिवार को कहा कि इन लोगों के लिए भारत सांसारिक बंधनों से मुक्ति का धाम है। खेर ने इंदौर में संवाददाताओं से कहा, विदेशियों के लिए भारत (सांसारिक बंधनों से) मुक्ति का धाम है। विदेशियों ने खूब दौलत कमा ली, बड़े-बड़े अविष्कार करके मशीनें भी बना लीं, लेकिन वे जानते हैं कि भारत के अलावा उन्हें कहीं भी मुक्ति और आध्यात्मिक शांति नहीं मिल सकती। उन्होंने कहा, आप अपने जीवन में चाहे जो हासिल कर लें, लेकिन आध्यात्मिक सुकून के लिए आपको भारत ही आना होगा। खेर (51) ने महाकुंभ मेले में आकर सुर्खियों में छाईं एप्पल के सह संस्थापक स्टीव जॉब्स की पत्नी लॉरेन पॉवेल जॉब्स का जिक्र भी किया और कहा कि विदेशों से कई लोग अपने परिवार समेत इस धार्मिक आयोजन में शामिल होकर परमेश्वर को प्रणाम कर रहे हैं। गायक ने एक सवाल पर कहा कि बेहूदा शब्दों या बातों पर आधारित गीत नहीं गाए जाने चाहिए। उन्होंने किसी गायक का नाम लिए बगैर कहा, जिन्होंने आंख, कान और मनुष्य के अन्य शारीरिक अंगों की तारीफ में लिखे गाने गाए, वे सब गल गए। खेर ने बताया कि उन्होंने महाकुंभ मेले के अवसर पर महाकुंभ है और महाकुंभ संगम शीर्षकों वाले दो गीत गाए हैं।

गूगल ने सर्च स्क्रीन पर 'पंखुड़ियों की वर्षा' करके महाकुंभ उत्सव में हिस्सा लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ। गूगल ने अपने सर्च स्क्रीन पर एनिमेशन स्वरूप में 'पंखुड़ियों की वर्षा' करके महाकुंभ उत्सव में हिस्सा लिया है। अब जब कोई गूगल के सर्च बॉक्स में 'कुंभ', या 'महाकुंभ' या 'कुंभ मेला' या 'महाकुंभ' या इसी तरह के किसी भी शब्द को खोजता है, तो स्क्रीन पर बैकग्राउंड में एक एनीमेशन अपने आप चलता है, जिसमें गुलाब की पंखुड़ियों की आभासी वर्षा दिखाई देती है। गूगल इस एनीमेशन को ईमेल, फेसबुक, एक्स, व्हाट्सएप के माध्यम से दूसरों के साथ फिर से चलाने या साझा करने की भी अनुमति देता है। तीसरा विकल्प एनीमेशन को खारिज करने की अनुमति देता है। महाकुंभ के आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर पोस्ट किए गए संदेश में कहा गया है, गूगल सर्च इंजन प्रयागराज में महाकुंभ 2025 के शुभारंभ का अनोखे ढंग से जश्न मना रहा है। जब आप महाकुंभ खोजेंगे, तो यह महाकुंभ के सम्मान में स्क्रीन पर पंखुड़ियों की वर्षा करेगा। महाकुंभ दुनिया के सबसे बड़े आध्यात्मिक समागमों में से एक है।

प्रयागराज में गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती नदियों के संगम त्रिवेणी संगम के तट पर 12 साल बाद महाकुंभ आयोजित किया जा रहा है। यह विशाल मेला 13 जनवरी को शुरू हुआ और 26 फरवरी तक चलेगा।

इसमें लाखों हिंदू तीर्थयात्री प्राचीन धारणा के अनुसार मोक्ष की तलाश में संगम में पवित्र डुबकी लगाने और पवित्र जल में अपने पापों को धोने के लिए आते हैं। महाकुंभ के पहले दो दिनों में ही लगभग पांच करोड़ लोग आए। इस आयोजन की मेजबानी कर रही उत्तर प्रदेश सरकार को पूरे मेला अवधि के दौरान 40 से 45 करोड़ लोगों के आने की उम्मीद है।

महाकुंभ 2025 : स्कूली बच्चों को भी दिया जा रहा प्रशिक्षण, मंच देगी योगी सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभ नगर। योगी सरकार न सिर्फ बॉलीवुड, राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय कलाकारों, बल्कि स्कूली बच्चों को भी महाकुंभ में अंतरराष्ट्रीय मंच उपलब्ध कराएगी। इसके लिए संस्कृति विभाग की तरफ से प्रयागराज के 9 कॉलेजों में 9 विधाओं में स्कूल और कॉलेज के बच्चों को प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। यह प्रशिक्षण 22 जनवरी तक चलेगा। इसके बाद स्कूली बच्चे अपनी कला का महाकुंभ में प्रदर्शन करेंगे। प्रदेश भर के नामचीन प्रशिक्षकों द्वारा 9 विधाओं में लगभग 600 स्कूली बच्चों को निरंतर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। 22 जनवरी तक प्रयागराज के 9 स्कूल और कॉलेज में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अवधी लोकगायन का प्रशिक्षण श्रीकृष्णा डिग्री कॉलेज करछना, मशकबीन का प्रशिक्षण मदन मोहन मालवीय इंटर कॉलेज करछना, जादू का प्रशिक्षण ब्रजमंगल सिंह इंटर कॉलेज रामपुर करछना, अवधी लोकगीत और नृत्य का प्रशिक्षण आरपी इंटर कॉलेज एफसीआई रोड चौक नैनी, लोकगायन का प्रशिक्षण सर्वोदय शिक्षा सदन इंटर कॉलेज भीरपुर करछना, ढेढिया नृत्य का प्रशिक्षण कमला स्मारक इंटर कॉलेज इतरौरा बलापुर करमा रोड नैनी, ब्रज के लोकनृत्य का प्रशिक्षण राधा रमण महिला इंटर कॉलेज, 27 एच चकदाउद नगर नैनी, भजन और लोक गायन का प्रशिक्षण राजकीय बालिका इंटर कॉलेज मुंगारी करछना, रंगोली का प्रशिक्षण आरएनटी इंटर कॉलेज महेवा पूरब पट्टी खान चौराहा नैनी में दिया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश के नामचीन प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। अवधी लोक गायन का प्रशिक्षण अयोध्या के शिवपूजन शुक्ला, मशकबीन का प्रशिक्षण कौशांबी के संतोष और प्रयागराज के वेदानंद दे रहे हैं। वहीं, बच्चों को जादू का प्रशिक्षण लखनऊ के आफताब और सुरेश द्वारा दिया जा रहा है। लखनऊ की कुसुम वर्मा अवधी लोकगीत और लोकनृत्य का प्रशिक्षण दे रही हैं। अंबेडकरनगर की उपमा पांडेय बच्चों को लोक गायन का प्रशिक्षण दे रही हैं। प्रयागराज के प्रशिक्षक आनंद किशोर ढेढिया नृत्य, मथुरा की नीतू सिंह ब्रज के लोकनृत्य, प्रयागराज के मनोज गुप्ता भजन और लोक गायन में बच्चों को प्रशिक्षित कर रहे हैं। इसके अलावा रंगोली का प्रशिक्षण लखनऊ की ज्योति रतन की तरफ से दिया जा रहा है। सभी 9 विद्यालयों में 9 विधाओं में 600 से अधिक स्कूली बच्चे प्रशिक्षण ले रहे हैं। संस्कृति विभाग और कॉलेजों के संयुक्त तत्वावधान में चल रहा प्रशिक्षण सभी विद्यालयों के प्रधानाचार्यों की देखरेख में संपन्न हो रहा है। 22 जनवरी तक चलने वाले प्रशिक्षण के उपरांत इन बच्चों को महाकुंभ से जुड़े सांस्कृतिक मंचों पर अपनी कला दिखाने का अवसर प्राप्त होगा।

पिछले 100 साल से हर कुंभ में शामिल हो रहे हैं स्वामी शिवानंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुभंनगर। पद्मश्री से सम्मानित योग साधक स्वामी शिवानंद बाबा पिछले 100 साल से हर कुंभ (प्रयागराज, नासिक, उज्जैन, हरिद्वार) में शामिल हो रहे हैं। यह जानकारी उनके शिष्य संजय सर्वजाना ने दी। सेक्टर 16 में संगम लोअर मार्ग पर स्थित बाबा के शिविर के बाहर लगे बैनर में छपे उनके आधार कार्ड में उनकी जन्मतिथि आठ अगस्त, 1896 दर्ज है। हर रोज की तरह बृहस्पतिवार को सुबह वह अपने कक्ष में योग ध्यान में लीन थे और उनके शिष्य बाबा के बाहर आने का इंतजार कर रहे थे। बाबा के शुरुआती जीवन के बारे में पूछने पर बेंगलुरु से उनके शिष्य फाल्गुन भट्टाचार्य बहुत भावुक हो गए। उन्होंने बताया कि बाबा का जन्म एक भिखारी परिवार में हुआ था। चार साल की उम्र में इनके मां बाप ने इन्हें गांव में आए संत ओंकारानंद गोस्वामी को सौंप दिया ताकि इन्हें खाना पीना तो मिल सके। उन्होंने बताया कि छह साल की उम्र में बाबा को संत ने घर जाकर अपने मां-बाप के दर्शन करने को कहा। लेकिन घर पहुंचने पर त्रासदीपूर्ण घटनाएं हुईं। घर पहुंचने पर बहन का देहांत हो गया और एक सप्ताह के भीतर एक ही दिन मां बाप दोनों चल बसे।

भट्टाचार्य ने बताया, बाबा ने एक ही चिता में मां-बाप का दाह संस्कार किया। उसके बाद से संत ने ही इनका पालन पोषण किया। भट्टाचार्य ने बताया, बाबा ने चार साल की उम्र तक दूध, फल, रोटी नहीं देखा। इसी के चलते उनकी जीवनशैली ऐसी बन गयी कि वह आधा पेट ही भोजन करते हैं। बाबा रात नौ बजे तक सो जाते हैं और सुबह तीन बजे उठते हैं और शौच आदि से निवृत्त होकर योग ध्यान करते हैं। वह दिन में बिल्कुल भी नहीं सोते। दिल्ली से आए हीरामन बिस्वास ने बताया कि वह बाबा के संपर्क में 2010 में चंडीगढ़ में आए थे। वह उनकी फिटनेस से बहुत प्रभावित हैं। उन्होंने बताया कि बाबा किसी से दान नहीं लेते, उबला हुआ खाना खाते हैं जिसमें तेल और नमक नहीं होता। बाबा वाराणसी के कबीर नगर, दुर्गाकुंड में रहते हैं और मेले में प्रवास पूरा कर वापस बनारस चले जाएंगे। बाबा शिवानंद ने युवा को पीढ़ी को दिए अपने संदेश में कहा कि युवाओं को सुबह जल्दी उठकर आधा घंटा योग करना चाहिए, संतुलित जीवनशैली अपनानी चाहिए और स्वस्थ रहने के लिए प्रतिदिन टहलना चाहिए।

महाकुंभ क्षेत्र में मोबाइल डिस्चार्ज होने के बाद भी बाधित नहीं होगी सर्विस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभ नगर । प्रयागराज महाकुंभ में आस्था का जनसैलाब उमड़ रहा है। पौष पूर्णिमा और मकर संक्रांति के स्नान पर्व पर पुण्य की डुबकी लगाने के लिए करोड़ों की संख्या में लोग महाकुंभ क्षेत्र में आए, उसमें बहुत से लोग मोबाइल डिस्चार्ज होने की वजह से कनेक्टिविटी का लाभ नहीं ले सके। लेकिन, अब इस समस्या का भी विकल्प खोज लिया गया है। इसके लिए मेला क्षेत्र के अंदर और बाहर मोबाइल चार्जिंग मशीन लगाई गई हैं, जहां पावर बैंक की सुविधा मिलेगी। महाकुंभ जैसे बड़े आयोजन के दौरान मोबाइल चार्जिंग सुविधाओं की पहुंच महत्वपूर्ण हो जाती है। इसे समझते हुए सर्विस प्रोवाइडर ए 3 चार्ज एवं एंजेललाइफ ने मोबाइल चार्जिंग मशीनों को प्रयागराज में लगाया है, जहां उच्च क्षमता के पावर बैंक विजिटर्स लेकर अपने परिजनों और जानने वालों से जुड़े रह सकते हैं। श्रृद्धालुओं और पर्यटकों के भीड़भाड़ वाले स्थानों में महाकुंभ क्षेत्र के अंदर और बाहर मशीनें लगाई गई हैं।

एंजेल लाइफ कंपनी के सीईओ डॉ. शशांक खरबंदा का कहना है कि महाकुंभ क्षेत्र में 21 स्थानों पर फिलहाल सुविधा उपलब्ध होनी है, जिसमें अभी तक 14 स्थानों में ए3 चार्जिंग सेंटर हैं। मशीनों का इंस्टॉलेशन यहां हो चुका है। इसमें 7 महाकुंभ क्षेत्र और 7 महाकुंभ क्षेत्र के बाहर शहर में लगाए गए। शहर में जिन स्थानों पर सेंटर खुल गए हैं, उनमें होटल सम्राट सिविल लाइंस, वीरेंद्र हॉस्पिटल सिविल लाइंस, रेल कोच रेस्टोरेंट सिविल लाइंस, कैफे मीकाया सिविल लाइंस, 32 पर्ल डेंटल क्लीनिक अशोक नगर और उमा शिव रेस्टोरेंट शामिल हैं।

इसके अलावा महाकुंभ नगर में अखाड़ा क्षेत्र में कल्पवासी क्षेत्र में इनके सेंटर खोले गए हैं। सेक्टर-19 में हर्षवर्धन मार्ग पर, सेक्टर 20 में निर्मोही अखाड़े के निकट, लेटे हनुमान के पास, अक्षय वट रोड में राधा वल्लभ जी के शिविर में और कल्पवासी क्षेत्र में कल्पवास आश्रम में सेंटर खुले हैं। प्रोजेक्ट डायरेक्टर राहुल स्थालेकर के अनुसार विशेष रूप से महाकुंभ के दौरान वो क्षेत्र जहां भीड़ अधिक रहती है, वहां के प्रमुख प्रवेश बिंदुओं, प्रमुख मंदिरों, परिवहन केंद्रों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों के पास ए3 चार्ज केंद्र बनाए गए हैं। इस सेवा का दो तरफ से उपयोगकर्ता लाभ उठा सकते हैं। ए3 चार्ज कंपनी की सीईओ अनीशा ठुकराल का कहना है कि जिन स्थानों पर चार्जिंग सेंटर बनाए गए हैं, वहां उपयोगकर्ता अपना मोबाइल चार्ज कर सकता है। यहां बैठने की सुविधा भी है। इसके अलावा इन्हीं सेंटर्स में आप इनके पावर बैंक भी ले सकते हैं और इस्तेमाल करने के बाद वापस करना होता है। पावर बैंक लेने के लिए उपयोगकर्ता को अपना परिचय और जानकारी सेंटर में देना होता है या अपने मोबाइल से क्यूआर कोड स्कैन करना होता है, जिसके बाद उसे सेंटर से पावर बैंक मिल जाता है। इसे उपयोगकर्ता महाकुंभ क्षेत्र के अंदर या बाहर ले जा सकता है और आखिर में उन्हें किसी अन्य स्टेशन पर वापस कर सकते हैं।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जीव को प्रबल पुण्याई से ही दुर्लभ मनुष्य जीवन मिलता है। उसमे भी हमारा सौभाग्य है कि हम जिनवाणी श्रवण करने हेतु यहा उपस्थित हुए है। कर्मवाद के सिद्धांत से अपने- अपने कर्मानुसार हर जीव सुख- दुःख भोगता है। सुख- दुःख का कर्त्ता जीव स्वयं ही है। इसलिए अपने जीवन को व्यर्थ मे न गवांते हुए संसार से मुक्ति ही अपना अंतिम लक्ष्य होना चाहिए। इस पंचम आरे मे मुक्ति संभव नही है।

समाजसेवी संजय ललवानी लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के हाथों सम्मानित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई के समाजसेवी संजय ललवानी को हाल ही में दिल्ली में लोकसभा सचिवालय के 96वें स्थापना दिवस समारोह में सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें उनके समाज सेवा के कार्यों के लिए लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने दिया। लोकसभा सचिवालय के इस समारोह का विषय था 'पधारो म्हारे देश' और इसका उद्देश्य देश की विविधता में एकता को प्रदर्शित करना था। इस कार्यक्रम में कथक धरोहर और गांधी मंडेला फाउंडेशन की ओर से यह सम्मान प्रदान किया गया। समारोह में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस मौके पर संजय ललवानी ने कहा है कि यह सम्मान मेरे लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इससे मुझे और ज्यादा से ज्यादा लोगों की सेवा करने की प्रेरणा मिलेगी। ज्ञातव्य है कि संजय ललवानी वरिष्ठ समाजसेवी प्रकाश ललवानी के पुत्र है। संजय ललवानी ने समाज सेवा के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण योगदान दिए हैं। वह गरीबों को भोजन और कपड़े वितरित करते रहते है ललवानी की देखरेख में कई समाजोपयोगी कार्य किए जा रहे है। इस अवसर पर उन्होंने कहा है कि समाज सेवा एक बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य है। यह समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। समाज सेवा के माध्यम से हम समाज के कमजोर वर्गों की मदद कर सकते हैं। हम समाज में समानता ला सकते हैं। हम समाज को एक बेहतर जगह बना सकते है। ललवानी ने भविष्य में और अधिक समाज सेवा के कार्य करने की योजना बनाई है।

'अध्यात्म से उत्पन्न सुख व्यक्ति को सरल व विनम्र बनाता है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यलगुडपाल्यम जैन स्थानक में प्रवचन देते हुए शिविराचार्यश्री विनयमुनिजी खींचन ने कहा कि हमारी मान्यताएँ यदि गलत है तो सुख भी दुःख देता है। यदि सही श्रद्धा है तो दुःख भी सुख देता है। मोहनीय और वेदनीय कर्म दो प्रकार के सुख दुःख में कारण माने जाते हैं। ज्यादातर इन्सानों को साता वेदनीय में शांति सुख दिखता है जबकि दर्द, पीड़ा में दुःख मानते हैं। ये सामान्य सोच प्राय इंसानों में चल रही है। भगवान महावीर एक अध्यात्मवादी पुरुष थे, उन्होंने अल्पकालीन सुख को मृत्युग्रस्त, भयग्रस्त, रोगग्रस्त, राजभयग्रस्त, क्लेशग्रस्त ही माना है।

आत्मिक सुख मोहनीय कर्म को जीतने से मिलता है। क्रोध, मान, माया व लोभ ये मोह के चार पुत्र है। ये जीवों को सुख का लालच दिखा कर पीछे प्रताड़ित करते हैं। अतएव भगवान महावीर ने साता वेदनीय को और शरीर जन्य सुख और मरण भी होता है। अध्यात्म से उत्पन्न सुख शांति, सन्तोष, क्षमा,विनम्रता, सरलतामय बना देता है। साधनों से, वैभव ऐश्वर्य से दिखावटी सुख होता है जबकि आत्मिक गुणों से सच्चा स्व-पर कल्याणक सुख मिलता है। मोतीलाल जैन ने सभी का स्वागत किया। भरत रांका ने आभार व्यक्त किया।

तेयुप विजयनगर किशोरों ने पर्वतारोहण के साथ आयोजित किया स्वच्छता अभियान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अभातेयुप और तेरापंथ किशोर मंडल एक्सिस के निर्देशन में तेरापंथ युवक परिषद व किशोर मंडल विजयनगर द्वारा हाइक्स कार्यक्रम की शुरुआत साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी की निश्रा में हुई।

साध्वीश्री ने किशोरों को धर्म संघ की मर्यादा और शुद्ध शाकाहारी स्थानों अथवा रेस्टोरेंट में ही भोजन करने की प्रेरणा दी। किशोर मंडल टीम के साथ तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा, मंत्री संजय भटेवरा, संयोजक हर्ष मांडोत व अन्य सदस्यों ने दो दिवसीय आवासीय हाइक्स नेचर्स एडवेंचर कैंप, कनकपुरा में किशोरों के लिए पूरे दिन टीम बिल्डिंग एक्टिविटीज जैसे मड गेम्स, स्वीमिंग, क्रिकेट, फुटबॉल, कायाकिंग, वॉल क्लाइंबिंग, रोप क्लाइंबिंग, पर्वतारोहण आदि अनेक गतिविधियां आयोजित की गई। प्रायोजक परिवार रोशनलाल दिनेशकुमार अरविंद पोखरना का सम्मान किया गया। इस मौके पर किशोरों ने स्वच्छता अभियान का भी आयोजन किया।

विमोचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारतीय राजपूताना सेवा संगठन द्वारा प्रकाशित वार्षिक कैलेंडर 2025 का विमोचन व्हाइटफील्ड कार्यालय में किया गया। इस मौके पर संस्थापक अध्यक्ष अनिलसिंह सिकरवार, राष्ट्रीय महासचिव प्रेमसिंह, बेंगलूरु अध्यक्ष सुनीलसिंह, आयोजन सचिव संजय सिंह, आरटी नगर अध्यक्ष चिंतरंजन सिंह, युवा सचिव, व्हाइटफील्ड धनंजय सिंह, युवा उपाध्यक्ष चेतन सिंह आदि उपस्थित थे।

पूर्व सैनिकों के सम्मान में समारोह आयोजित किया, सौहार्द का भावपूर्ण प्रदर्शन हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बाइसन डिवीजन और तिरुवनंतपुरम ब्रिगेड के तत्वावधान में बनासवाड़ी सैन्य गैरीसन ने पूर्व सैनिकों के सम्मान में समारोह का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 150 से ज्यादा पूर्व सैनिक और उनके परिजन शामिल हुए। इस दौरान कृतज्ञता और सौहार्द का भावपूर्ण प्रदर्शन देखने को मिला। दिन की शुरुआत चिकित्सा शिविर से हुई, जिसमें पूर्व सैनिकों और उनके परिजन को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। सीएसडी एक्सटेंशन काउंटर ने जरूरी चीजों तक सुविधाजनक पहुंच सुनिश्चित की। इसके अलावा, एक शिकायत प्रकोष्ठ की स्थापना की गई, जिसने पूर्व सैनिकों और उनके परिजन के दस्तावेज़ीकरण संबंधी कार्यों पर ध्यान दिया। इसके बाद चाय पार्टी का आयोजन किया गया, जिसमें पूर्व सैनिकों को अपने अनुभव साझा करने के लिए वातावरण प्रदान किया गया।

इस कार्यक्रम में वीर नारियों और उन पूर्व सैनिकों का सम्मान किया गया, जिन्होंने अपनी सैन्य सेवा के बाद भी राष्ट्र की सेवा जारी रखी है। वेटरन्स डे समारोह एक शानदार सफलता थी, जिसने पूर्व सैनिकों के बीच गर्व और अपनत्व की भावना को बढ़ावा दिया।

जीवदया कार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैसूरु पिंजरापोल सोसायटी परिसर में नवनिर्मित गोपालक सदन में आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी व गणिवर्य पद्मविमलसागरजी के चातुर्मास के उपलक्ष्य में संतों की प्रेरणा से बेंगलूरु व मैसूरु में एकत्र हुए जीवदया कोष से एक कॉटेज का लाभ कल्याण मित्र वर्षावास बेंगलूरु व जैन चेरिटेबल ट्रस्ट मैसूर ने लिया। पिंजरापोल सोसायटी के पदधिकारियों के साथ वर्षावास समिति मैसूरु के अशोक दांतेवाड़िया, कांतिलाल चौहान, भंवर लुंकड़ आदि ने कॉटेज का उद्घाटन किया।

निरीक्षण

बेंगलूरु में गुरुवार को केंद्रीय जल शक्ति एवं रेल राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलूरु मंडल के अधीन आने वाले हुडी रेलवे हॉल्ट स्टेशन, व्हाइटफील्ड रेलवे स्टेशन, कार्मेलराम सहित पन्नत्तूर आरयूबी, और दोड्डनिकुंदी और चिन्नाप्पनहल्ली, मारथहल्ली रेलवे क्षेत्र का दौरा किया। इस मौके पर उनके साथ सांसद पीसी मोहन, विधायक श्रीमती मंजुला अरविंद लिंबावली, पूर्व मंत्री श्री अरविंद लिंबावली एवं दक्षिण पश्चिम रेलवे विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस दौरे के दौरान रेलवे विद्युतीकरण, उपनगरीय रेलवे परियोजना एवं अन्य रेलवे पहलों की प्रगति का निरीक्षण किया गया।

संस्कृति, अध्यात्म और कला का अनोखा संगम बना शहर में आयोजित मध्यप्रदेश महोत्सव

बेंगलूरु। मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा बेंगलूरु के आर्ट ऑफ़ लिविंग के इंटरनेशनल सेंटर पर मध्य प्रदेश महोत्सव का आयोजन किया गया। इस मौके पर पर्यटन विभाग द्वारा लगाई गई भिन्न-भिन्न प्रदर्शनी, प्रदेश के लज़ीज़ व्यंजनों की स्टाल और प्रदेश की संस्कृति को दर्शाते हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम से महोत्सव को और अधिक भव्य और जीवंत बन दिया। यह आयोजन मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर को उजागर करने एवं इसे वैश्विक मंच पर स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रही। इस चार दिवसीय मध्य प्रदेश महोत्सव में आध्यात्मिक गुरु श्रीश्री रविशंकरजी ने कार्यक्रम एवं पर्यटन एवं संस्कृति विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। उन्होंने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा किए जा रहे पर्यटन संबंधित विकास कार्यो के लिए तारीफ़ भी की। मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड की अपर प्रबन्ध संचालक बिदिशा मुखर्जी ने कहा कि यह मंच निरसंदेह मध्य प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को प्रदर्शित करने का सबसे बेहतरीन अवसर रहा।

वासुपूज्य स्वामी जिनमंदिर पर धूमधाम से हुआ ध्वजारोहण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होसपेट। शहर के एमजे नगर स्थित वासुपूज्य स्वामी जिनमंदिर के 17वें वार्षिकोत्सव पर मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण किया गया। सबसे पहले लाभार्थी परिवार द्वारा अठारह अभिषेक व सत्तरभेदी पूजा का आयोजन किया। लाभार्थी गिरधारीलाल शेराजी पालरेचा परिवार के बाबूलाल, महेन्द्रकुमार, भरतकुमार पालरेचा अपने निवास से शोभायात्रा के साथ नई ध्वजा लेकर मंदिर पहुंचे और अभिजित मुहूर्त में मंदिर के मुख्य शिखर पर पूरे विधि विधान से ध्वजारोहण किया।

गुरु गौतमस्वामी व दादा जिनदत्तसूरीजी शिखर पर कांतिलाल रमेशकुमार जैन परिवार ने व श्रीमद् राजचंद्रजी मंदिर की ध्वजा सज्जन, कुमारपाल जैन परिवार ने चढ़ाई। इस मौके पर स्थानीय पार्षद मंजूनाथ सहित जैन समाज के अध्यक्ष केशरीमल बागरेचा, पुखराज चोपड़ा, मगनलाल सोलंकी, महेंद्र धनेशा, चम्पालाल जैन आदि उपस्थित थे।

प्रदर्शनी

बेंगलूरु में गुरुवार को प्रसिद्ध लालबाग बॉटनिकल गार्डन में लालबाग फलपुष्प प्रदर्शनी का शुभारंभ मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने किया। महर्षि वाल्मिकी की अवधारणा के तहत लगी यह प्रदर्शनी 27 जनवरी तक चलेगी। इस प्रदर्शनी को देखने पहले ही दिन बड़ी संख्या लोग उमड़े।

सेवा-सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के शांतिनगर वर्धमान श्वेताम्बर स्थानक वासी महिला मंडल की सदस्याओं ने गुरुवार को क्षेत्र के सरकारी तमिल प्रायमरी स्कूल के 60 बच्चों को दोपहर का भोजन करवाया तथा मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में बच्चों को चाकलेट, जूस व अन्य उपहार दिए। इस मानवसेवी कार्य में मंडल की उषा मुथा, आरती लूणावत, वंदना मरलेचा, अंजू मुथा अंजू बेताला आदि सदस्याओं ने सेवा दी।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.